शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 237 | गुवाहाटी | रविवार, 30 मार्च, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारत ने म्यांमार को मानवीय सहायता की अगली खेप भेजी — पेज 2
एनडीए राभा हासोंग स्वायत्त परिषद चुनावों में निर्णायक जीत के लिए तैयार : भाजपा — पेज 3
युवाओं की प्रतिभा को निखारने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री — पेज 5
ऋषभ पंत नहीं सुन रहे जहीर खान की इसलिए मैदान पर हो रहे फेल — पेज 7

सीएम हिमंत विश्व शर्मा 31वें सबसे शक्तिशाली भारतीय

गुवाहाटी/नई दिल्ली। राष्ट्रीय दैनिक *इंडियन एक्सप्रेस* द्वारा जारी सूची के अनुसार, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को 100 सबसे शक्तिशाली भारतीयों में शामिल किया गया है। प्रतिष्ठित सूची में शर्मा को 31वां स्थान दिया गया है, जिसमें स्पष्ट रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले स्थान पर हैं, जबकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दूसरे स्थान पर हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर पांचवें स्थान पर हैं, जो अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति में उनके बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। इस बीच, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 52वें स्थान पर खिसक गए हैं, जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी नौवें स्थान पर बने हुए हैं। असम के 15वें मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 10 मई, 2021 को सर्वानंद सोनोवाल की जगह पदभार संभाला। अपने गतिशील नेतृत्व और प्रभावशाली शासन के लिए जाने जाने वाले शर्मा के राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते प्रभाव को -शेष पृष्ठ दो पर

भूकंप में मृतकों का आंकड़ा 1644 तक पहुंचा, 2000 से अधिक घायल

नाएप्यीडा। म्यांमार में आए विनाशकारी भूकंप में लगातार मृतकों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। ताजा जानकारी के अनुसार, दक्षिण-पूर्व एशियाई देश में आए भूकंप के बाद मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 1644 तक पहुंच गया है। वहीं 2000 से अधिक घायल बताए जा रहे हैं। इसके साथ ही म्यांमार में रेस्क्यू ऑपरेशन बड़े पैमाने पर जारी है। बता दें कि, 28 फरवरी को म्यांमार लगातार छह भूकंप के झटकों से थर्रा गया था और ये सिलसिला आज भी बरकरार रहा है। कल से लेकर आज तक म्यांमार में कुल 16 बार भूकंप के झटके लगे हैं। यूरेशियन और इंडो-ऑस्ट्रेलियाई प्लेटों के बीच टकराव के कारण, म्यांमार में भूकंपीय खतरा उच्च स्तर पर है। अंतर्राष्ट्रीय भूकंपीय

केंद्र की तरफ से बताए गए भूकंप मापदंडों के अनुसार, 1990 से 2019 तक हर साल म्यांमार और उसके आसपास के इलाकों में 3.0 से अधिक या उसके बराबर परिमाण वाली लगभग 140 घटनाएं हुई हैं। जिससे प्रमाणित होता है कि, -शेष पृष्ठ दो पर

म्यांमार में फिर भूकंप के झटके, 5.1 मापी गई तीव्रता

नाएप्यीडा। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) ने बताया कि म्यांमार में आए शक्तिशाली भूकंपों के एक दिन बाद, जिसमें 1,000 से ज़्यादा लोगों की जान चली गई, शनिवार को देश में 5.1 तीव्रता का एक और भूकंप आया। यूएसजीएस ने बताया कि भूकंपीय गतिविधि म्यांमार की राजधानी नेपीडॉ के पास दोपहर 2.50 बजे के आसपास 10 किलोमीटर की गहराई पर हुई। शनिवार को आए भूकंप से हुए नुकसान या किसी के हताहत होने का विवरण अभी तक स्पष्ट नहीं है, जबकि शुक्रवार को आए भूकंप से भी यही क्षेत्र प्रभावित हुआ था। नेपीता में ताजा भूकंप उस समय आया जब अधिकारी क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत में लगे थे, जबकि शहर के अधिकांश हिस्सों में बिजली, फोन और इंटरनेट सेवाएं बंद रहीं। म्यांमार में कल 7.7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया, जिसके ठीक 11 मिनट -शेष पृष्ठ दो पर

आरएचएसी की संवैधानिक मान्यता पर केंद्र के साथ त्रिपक्षीय बैठक जल्द होगी : सीएम

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को राभा हसोंग स्वायत्त परिषद (आरएचएसी) के लोगों को आश्वासन दिया कि उनकी सरकार जल्द ही परिषद को संवैधानिक मान्यता प्रदान करने के लिए केंद्र के साथ त्रिपक्षीय चर्चा शुरू करेगी। 2 अप्रैल को आरएचएसी चुनावों से पहले एक चुनाव अभियान रैली में बोलते हुए, शर्मा ने

जनवरी 2025 में किए गए अपने वादे को पूरा करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने ग्वालपाड़ा के दुधनोई में एक सभा को संबोधित करते हुए घोषणा की कि बहुत जल्द, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में, असम सरकार इसे लागू करने के लिए त्रिपक्षीय बैठक आयोजित करने के लिए कदम उठाएगी। विभिन्न विकास पहलों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि ग्वालपाड़ा में एक नए मेडिकल -शेष पृष्ठ दो पर

गिरफ्तार पत्रकार को जमानत पर रिहा किया गया

गुवाहाटी। असम के गिरफ्तार पत्रकार दिलवर हुसैन मजुमदार को शनिवार को न्यायिक हिरासत से रिहा कर दिया गया। एक दिन पहले ही अदालत ने उन्हें दूसरे मामले में जमानत दी थी। उनके वकील ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पहले दावा किया था कि मजुमदार सरकारी नियमों के अनुसार *मान्यता प्राप्त* पत्रकार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें किसी पत्रकार द्वारा उनके खिलाफ लिखे जाने से कोई समस्या नहीं है, लेकिन अगर -शेष पृष्ठ दो पर

सीमा विवाद : मिजोरम ने अप्रैल में असम के साथ वार्ता का प्रस्ताव रखा

एजल। मिजोरम सरकार ने लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद पर मध्य अप्रैल में असम के साथ आधिकारिक स्तर

की वार्ता का प्रस्ताव दिया है। मिजोरम के गृह सचिव वनलालमाविया ने कहा कि असम को चौथी बार पत्र भेजा गया है, जिसमें गुवाहाटी में निर्धारित मंत्रिस्तरीय चर्चा से पहले अधिकारी स्तर की वार्ता का अनुरोध किया गया है। वनलालमाविया ने कहा कि मिजोरम असम से प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा है। आधिकारिक स्तर पर विचार-विमर्श का प्रस्ताव बाद की मंत्रिस्तरीय वार्ता के लिए आधारभूत कार्य और तौर-तरीकों को तैयार करने और अंतिम रूप देने के लिए किया गया है। गृह सचिव ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

प्रसन्नता परमात्मा की दी हुई औषधी है।

- स्वेट मार्डन

खुदाई से मिले मंदिर के अवशेषों को विशेषज्ञों ने डोबोका साम्राज्य से जोड़ा

गुवाहाटी। नगांव जिले के हरलोगकुरुआती गांव में हाल ही में मिली पुरातात्विक खोज को प्राचीन डोबोका साम्राज्य का हिस्सा माना जाता है। पत्थर के मंदिर की चबूतरे, कई *अमलक,* पत्थर के टुकड़े और देवी-देवताओं की टूटी हुई प्रतिमाओं की आकस्मिक खोज, जो शैलीगत रूप से 10वीं-12वीं शताब्दी की है, को एक महत्वपूर्ण सफलता के रूप में देखा जा रहा है। कपिली नदी के किनारे मिट्टी के बांध के निर्माण के लिए खुदाई के दौरान 23 मार्च को खंडहरों का पता चला। इस बीच, स्थानीय निवासियों ने बताया कि साइट के पास खेल रहे बच्चों के एक समूह ने सोने की चूड़ियां खोजीं, जिन्हें प्राचीन माना जाता है। पुरातत्व निदेशालय ने मामले से सर्किल -शेष पृष्ठ दो पर

राभा हसोंग परिषद चुनाव : 2 अप्रैल को 630 मतदान केंद्रों पर 4.45 लाख मतदाता मतदान करेंगे

ग्वालपाड़ा। राजनीतिक दलों ने 2 अप्रैल को होने वाले राभा हासोंग स्वायत्त परिषद (आरएचएसी) चुनावों के लिए अपने समर्थकों के साथ प्रचार अभियान शुरू कर दिया है। गोलपाड़ा जिले के 20 परिषद निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 2,54,644 मतदाता और कामरूप जिले के 16 निर्वाचन क्षेत्रों में 1,90,736 मतदाता आरएचएसी के भावी नेतृत्व को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कांग्रेस, असम गण परिषद (एजीपी), भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी), राभा हसोंग जोथो मंच (आरएचजेएम) और गारो समुदाय सहित

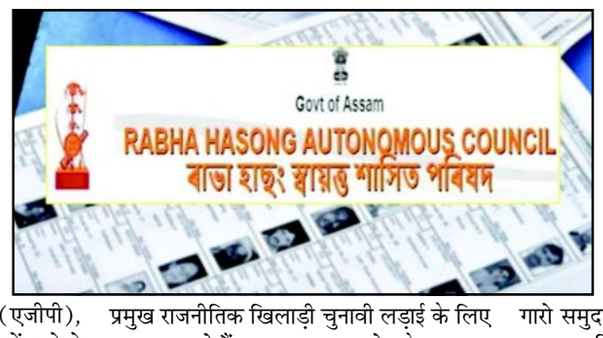

प्रमुख राजनीतिक खिलाड़ी चुनावी लड़ाई के लिए कमर कस रहे हैं। राज्य चुनाव आयोग के अनुसार, 4,45,586 मतदाता - मतदाता- 2,16,181 पुरुष, 2,29,394 महिलाएं और 11 अन्य - आरएचएसी के 630 मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का प्रयोग करने की उम्मीद है। 36 निर्वाचन क्षेत्रों में से 25 अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित हैं, महिलाओं के लिए छह सीटें हैं और 11 अनारक्षित हैं। मतों की गिनती 4 अप्रैल को होगी। आरएचजेएम 30 निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ेगा, जबकि भाजपा ने छह में उम्मीदवार उतारे हैं। गारो समुदाय, जो लंबे समय से एक अलग गारो स्वायत्त परिषद (जीएसी) की मांग कर रहा है, ने इस मांग को दबाने के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

हथियार-हिंसा से नहीं, शांति और विकास ही ला सकता है बदलाव : शाह

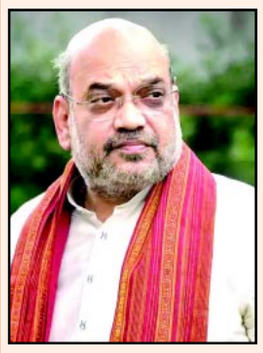

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सुरक्षाबलों को मिली सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की और नक्सलियों से हिंसा का रास्ता छोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि हथियार और हिंसा से बदलाव नहीं आ सकता, केवल शांति और विकास ही बदलाव ला सकता है। गृहमंत्री शाह ने एक्स पोस्ट में कहा कि नक्सलवाद पर एक और प्रहार। हमारी सुरक्षा एजेंसियों ने सुकमा में एक अभियान में 16 नक्सलियों को ढेर कर दिया है और स्वचालित हथियारों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया है। प्रधानमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

मणिपुर के नोनी में महसूस किए गए भूकंप के झटके

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर के नोनी में शनिवार दोपहर को भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.8 मापी गई है। फिलहाल भूकंप से किसी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार शनिवार को -शेष पृष्ठ दो पर

गौहाटी उच्च न्यायालय परिसर स्थानांतरण पर बढ़ रहा विरोध, महाधिवक्ता ने दिया इस्तीफा

गुवाहाटी। असम सरकार द्वारा गौहाटी उच्च न्यायालय परिसर के स्थानांतरण के फैसले को लेकर गौहाटी उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन (जीएचसीबीए) जबरदस्त विरोध कर रहा है। इसी बीच असम के महाधिवक्ता देवजीत सैकिया ने गौहाटी उच्च न्यायालय परिसर को स्थानांतरित करने के सरकार के फैसले पर असहमति जताते हुए गौहाटी उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन (जीएचसीबीए) से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि सैकिया

ने अपने इस्तीफे को लेकर असम सरकार का ये फैसला यह कदम वकीलों और न्याय वितरण प्रणाली के व्यापक हित में है। बता दें कि जीएचसीबीए उच्च न्यायालय परिसर को गुवाहाटी शहर के केंद्र से ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तरी तट पर रंगमहल में स्थानांतरित करने का विरोध कर रहा है। मामले में बार एसोसिएशन का कहना है कि यह स्थानांतरण निर्णय एकतरफा है। साथ ही इससे कानूनी कार्यवाही की कुशलता में रुकावट आ सकती है, -शेष पृष्ठ दो पर

काठमांडू में हालात तनाव पूर्ण, कुछ इलाकों से हटा कर्फ्यू, 100 से गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल के काठमांडू में शुक्रवार को राजशाही समर्थकों और पुलिसकर्मियों की हिंसक झड़प के बाद हालात तनाव पूर्ण बने हैं। लेकिन पुलिस ने कुछ इलाकों में शांति देखते हुए कर्फ्यू हटा लिया है। वहीं 100 से ज्यादा राजशाही समर्थकों को गिरफ्तार किया गया है। नेपाल के काठमांडू में शुक्रवार को राजशाही समर्थकों ने जमकर उत्पात मचाया था। उन्होंने तिनकुने इलाके में एक घर में आग लगा दी। समर्थकों ने पत्थरबाजी के

साथ ही एक राजनीतिक दल के कार्यालय पर हमला बोला। वाहनों में आगजनी और दुकानों में लूटपाट की। इसके अलावा सुरक्षा बैरिकेड तोड़ने की भी कोशिश की, जिसके चलते पुलिस से -शेष पृष्ठ दो पर

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर बातचीत पूरी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के अधिकारियों ने प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर बातचीत का एक दौर शनिवार को पूरा कर लिया। सरकारी सूत्रों के अनुसार, वार्ता सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है। इस बैठक में अमेरिका के अधिकारियों की टीम का नेतृत्व साउथ और सेंट्रल एशिया के लिए असिस्टेंट अमेरिकी ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव ब्रेंडन लिंच ने किया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बहुत समझदार व्यक्ति और अच्छे मित्र बताया। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच टैरिफ से जुड़ी बातचीत अच्छे परिणाम देगी। इससे पहले भी डोनाल्ड ट्रंप भारत पर अमेरिकी सामानों पर ऊंचे टैरिफ लगाने का आरोप लगाते रहे हैं। अमेरिका ने कई देशों पर प्रतिशोधी टैरिफ लगाने की घोषणा की है, जिसमें भारत भी शामिल हो सकता है। -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा का मिशन बिहार, दिल्ली में नड्डा ने भरी हुंकार, लालू पर किया तगड़ा वार

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने दिल्ली में आयोजित एक भारत श्रेष्ठ भारत स्नेह मिलन कार्यक्रम को संबोधित किया। यह कार्यक्रम पूर्वांचल मोर्चा की ओर से बिहार दिवस पर आयोजित किया गया था। इस दौरान जेपी नड्डा ने साफ तौर पर कहा कि दिल्ली में अमावस्या का समय था। अंधेरे का माहौल था

जिससे दिल्ली विकास नहीं, विनाश के रास्ते की ओर बढ़ रहा था। लेकिन दिल्ली वालों ने भाजपा के नेतृत्व को मौका दिया और अब यह नई दिशा और उज्जवल भविष्य की ओर बढ़ने लगा है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से अपील भी की दिल्ली हम जीत गए हैं, अब बिहार चुनाव की बारी है। नड्डा ने कहा कि जहां पूर्वांचल चल पड़ता है वहां देश आगे बढ़ता है। इतिहास इस बात का गवाह है कि चाणक्य की भूमि बिहार रही है तो महात्मा गांधी और लोकनायक का आंदोलन भी बिहार की भूमि से ही शुरू हुआ है। विश्व को प्रजातंत्र की सीख भी बिहार की भूमि से मिली है। उन्होंने कहा कि दुनिया -शेष पृष्ठ दो पर

सुकमा में हुई मुठभेड़, 16 नक्सली ढेर, दो जवान घायल

सुकमा (हि.स.)। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के जिला सुकमा के थाना केरलापाल क्षेत्र में सुरक्षाबलों एवं माओवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में 16 नक्सली मारे गए। मुठभेड़ स्थल पर भारी मात्रा में हथियार बरामद किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक किरण चौहान ने बताया कि सुकमा -दंतेवाड़ा सीमा पर उपमपल्ली केरलपार इलाके के जंगल में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 16 नक्सली मारे गए, जबकि दो जवान घायल हो गए हैं। मारे गए नक्सलियों के शव बरामद भी कर लिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक के मुताबिक सुकमा जिले के केरलापाल थाना क्षेत्र के गोगुंडा की पहाड़ी पर नक्सली कमांडर जगदीश और अन्य नक्सलियों की सूचना मिली थी। इसके बाद 28 मार्च की शाम को -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

NAME CHANGE

I, Jatin Baruah, S/O Late Kuladhar Baruah, resident of Mahdhuwa, P.O-Gandhia Tiniali, P.S-Ghilamara, Dist.- North Lakhimpur have changed my wife's name Lily Devi to Ranjana Saikia Baruah vide Affidavit dated 29/03/2025 before Notary, Kamrup Metro, Govt. of Assam

भारत ने म्यांमार को मानवीय सहायता की अगली खेप भेजी

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस सतपुड़ा और आईएनएस सावित्री ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत मानवीय सहायता लेकर भूकंप प्रभावित म्यांमार के यांगून बंदरगाह की ओर बढ़ रहे हैं। यह जानकारी विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने आज यहां दी। विदेश मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में यह जानकारी साझा करते हुए कहा कि ऑपरेशन ब्रह्मा- भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस सतपुड़ा और आईएनएस सावित्री 40 टन मानवीय सहायता लेकर यांगून बंदरगाह की ओर बढ़ रहे हैं। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ का 80 सदस्यीय खोज एवं बचाव दल नेय पी ताव के लिए रवाना हुआ। वे म्यांमार में बचाव कार्यों में सहायता करेंगे। इससे पहले आज सुबह भारतीय वायुसेना के सी-130 जे विमान से भेजी गई 15 टन मानवीय राहत सामग्री की पहली खेप म्यांमार पहुंची। यांगून में राजदूत अभय ठाकुर ने राहत सामग्री की यह पहली खेप औपचारिक रूप से यांगून के मुख्यमंत्री यू सोई थीन को सौंपी। इसमें कंबल, तिरपाल, स्वच्छता किट, स्लीपिंग बैग, सोलर लैंप, भोजन के पैकेट और रसोई सेट हैं। इस उड़ान के साथ एक खोज एवं बचाव दल और चिकित्सा दल भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को एक्स पर लिखा कि म्यांमार के वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग से बात की। विनाशकारी भूकंप में हुई मौतों पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। एक करीबी दोस्त और पड़ोसी के रूप में भारत इस कठिन समय में म्यांमार के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत आपदा राहत सामग्री, मानवीय सहायता, खोज और बचाव दल को प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से भेजा जा रहा है। इस बीच, नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार म्यामार के भूकंप प्रभावित इलाके में रिक्टर स्केल पर 4.7 तीव्रता का एक आफ्टरशॉक आया है। इसका केंद्र भी जमीन में 10 किमी. नीचे बताया गया है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को म्यांमार में 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था और पड़ोसी थाईलैंड हिल गया था। म्यांमार में आए विनाशकारी भूकंप में अब तक 694 मौतें हुई हैं और 1600 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

पर्यावरण के प्रति संवेदनशील जीवनशैली अपनाएं लोग : राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लोगों से अपील की है कि वे पर्यावरण के प्रति जागरूक और संवेदनशील जीवनशैली को अपनाएं। राष्ट्रपति ने कहा कि इससे न केवल पर्यावरण संरक्षण हो सकेगा, बल्कि इससे पर्यावरण ज्यादा जीवंत बनाया जा सकता है। शनिवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में पर्यावरण 2025 राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ये बातें कही। राष्ट्रपति ने कहा कि भावी पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण की विरासत देना हमारा नैतिक कर्तव्य है। पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि विकास की भारतीय विरासत का *आधार पोषण है, शोषण नहीं; संरक्षण है, उन्मूलन नहीं।* इस विरासत को ध्यान में रखते हुए हम एक विकसित भारत की ओर आगे बढ़ना चाहते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि आदिवासी समुदाय के लोग सदियों से प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर रहते आए हैं और वे अपने जीवन के हर पहलू में आसपास के पर्यावरण, पौधों और जानवरों का ख्याल रखते आए हैं। उन्होंने कहा कि हमें उनकी जीवनशैली से प्रेरणा लेनी चाहिए। आज जब पूरा विश्व ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन की समस्या को हल करने की कोशिश कर रहा है, ऐसे में आदिवासी समुदाय की जीवनशैली और भी अनुकरणीय हो जाती है। राष्ट्रपति ने लोगों से पर्यावरण के प्रति जागरूक और संवेदनशील जीवनशैली अपनाने को कहा ताकि पर्यावरण न केवल संरक्षित हो बल्कि बढ़े और पर्यावरण अधिक जीवंत हो सके।

तस्करी के लिए छुपाए गए मवेशी बरामद

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले के आटानी पुलिस चौकी इलाके के टोपपाड़ा झाऊपाड़ा गांव से पुलिस ने छह मवेशियों को बरामद किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान टोपपाड़ा झाऊपाड़ा गांव से 6 मवेशियों को बरामद किया गया है।

शोखुवि-मॉलवॉम सेक्शन के बीच ट्रेन परिचालन को मंजूरी

गुवाहाटी (हिंस)। रेल संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) सुमीत सिंघल ने 27 और 28 मार्च को निरीक्षण के बाद नगालैंड के नवनिर्मित शोखुवि-मॉलवॉम (14.64 किमी) बीजी लाइन सेक्शन पर ट्रेनों के परिचालन को मंजूरी प्रदान कर दी है। सीआरएस ने उक्त सेक्शन का वैधानिक निरीक्षण पूरा किया, जो चल रही 82.50 किमी लंबी डिमापुर-कोहिमा नई रेल लाइन परियोजना का एक हिस्सा है। निरीक्षण के दौरान उनके साथ पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के अंजनी कुमार, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण-2, आशुतोष कुमार मिश्रा, नगालैंड परियोजना के मुख्य इंजीनियर/निर्माण/ पूसीरे और विकास सिंह, उप मुख्य इंजीनियर/ निर्माण/ डिमापुर/पूसीरे मौजूद थे, जिनके नेतृत्व में सेक्शनल कार्यों का निष्पादन और समापन किया गया। सीआरएस ने उक्त सेक्शन में सफल निरीक्षण और गति परीक्षण के बाद नवनिर्मित रेलवे लाइन पर 90 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति से ट्रेनों के परिचालन को मंजूरी प्रदान की। यह नवनिर्मित लाइन निकट भविष्य में इस मार्ग से और अधिक माल तथा यात्री परिवहन के आवागमन में सहायक होगी।

बड़े भाई ने की छोटे भाई की हत्या, गिरफ्तार

कार्बी आंग्लांग (हिंस)। पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिले में बड़े भाई द्वारा छोटे भाई की बड़ी बेरहमी से हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिले के खेरनी बरमाटी खोल गांव में शराब पीने को लेकर दो भाइयों के बीच हुए झगड़े के दौरान बड़े भाई ने छोटे भाई पर हमला कर दिया। जिसकी वजह से हरेराम राजभर की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम मृत व्यक्ति के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। वहीं पुलिस ने छोटे भाई की हत्या के आरोपी रामविलास राजभर को गिरफ्तार कर लिया है।

SRIMANTA SANKARADEVA UNIVERSITY OF HEALTH SCIENCES
(A State University of the Govt. of Assam)
Narakasur Hilltop, Bhangagarh, Guwahati-781032, Assam
Phone : 06026177313 E-mail : ssuhs_assam@yahoo.in Website: www.ssuhs.in

No. SSUHS/25/2025/1646

NOTIFICATION
(Digitization of Student related services)

It is for general information of all concerned that no physical form for applying Provisional Pass Certificate (PPC), Original Pass Certificate (OPC), Migration Certificate (MC) and Rank Certificate (RC) shall be accepted from students w.e.f. 05-04-2025.

The University with an aim to bring ease of services for the students, an online portal has been developed where the students shall be able to apply for Provisional Pass Certificate, Original Pass Certificate, Migration Certificate and Rank Certificate even by using their mobile phones. The portal will issue a digitally signed PPC/ OPC/ MC/ RC within 10 (ten) working days after successful submission of the online form along with other necessary documents and successful payment of requisite fees. The students shall also get an option in the portal to ask for hard copy of the certificate in addition to the digitally signed certificate with no extra cost, which can be collected from the office of the SSUHS by the candidate or his/her authorized person.

The online application portal link shall be available in the University website www.ssuhs.in (Students' Corner TAB) from 05-04-2025. For any queries student may contact the Helpline Number **8591490341** during office hours.

Registrar
Srimanta Sankaradeva University of Health Sciences

-- Janasanyog/D/14212/24/30-Mar-25

प्रसिद्ध संगीत कलाकार हीरा दास का निधन

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य की एक लोकप्रिय संगीत कलाकार हीरा दास का आज तड़के निधन हो गया। हीरा दास प्रसिद्ध गायक और संगीत निर्देशक जेपी दास की पत्नी थीं। वह 23 मार्च को अचानक बीमार हो गई थीं। परिवार के लोगों ने उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। शनिवार तड़के 3.26 बजे इलाज के दौरान अस्पताल में उनका निधन हो गया। उनकी उम्र 73 वर्ष थी। परिवार के अनुसार, उनका निधन ब्रेन स्ट्रोक के कारण हुआ है।

पृष्ठ एक का शेष

सीएम हिमंत विश्व ...

व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है। 32वें से 31वें स्थान पर उनका उत्थान भारतीय राजनीति में उनकी बढ़ती प्रमुखता को दर्शाता है। शर्मा को सबसे शक्तिशाली भारतीयों में शामिल किया जाना न केवल असम में बल्कि राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य में भी उनकी प्रभावशाली भूमिका की पुष्टि करता है।

भूकंप में मृतकों का ...

म्यांमार मध्यम और बड़ी तीव्रता वाले भूकंपों के खतरों के प्रति संवेदनशील है, जिसमें इसकी लंबी तटरेखा के साथ सुनामी के खतरे भी शामिल हैं। सागाइंग फॉल्ट सागाइंग, मांडले, बागो और यांगून के लिए भूकंपीय खतरे को बढ़ाता है, जो म्यांमार की आबादी का 46 प्रतिशत हिस्सा है। भारत संकट के समय म्यांमार के साथ खड़ा है। *ऑपरेशन ब्रह्मा* के तहत भारत ने भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों के लिए 15 टन सामग्री, 80 सदस्यीय एनडीआरएफ की टीम और एक फील्ड अस्पताल को मदद के लिए भेजा है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने म्यांमार के जनरल से भी बातचीत की है। पीएम मोदी सोशल मीडिया एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए लिखा, म्यांमार के वरिष्ठ जनरल महामहिम मिन आंग ह्लाइंग से बात की। विनाशकारी भूकंप में हुई मौतों पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। एक करीबी दोस्त और पड़ोसी के रूप में भारत इस कठिन समय में म्यांमार के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत आपदा राहत सामग्री, मानवीय सहायता, खोज और बचाव दल को प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से भेजा जा रहा है। म्यांमार भूकंप से पहले गृहयुद्ध, मानवीय संकट, भुखमरी और स्वास्थ्य सुविधाओं में कमी से जूझ रहा था। म्यांमार को बड़े पैमाने पर मानवीय सहायता के साथ-साथ दवाओं और खाद्य सामग्री की जरूरत थी। वहीं भूकंप के बाद म्यांमार में स्थिति बद से बदतर हो गई है। वहीं देश में संचार व्यवस्था और आवाजाही पर सख्त नियंत्रण होने के कारण राहत और बचाव कार्य में कठिनाइयां भी आ रही हैं।

म्यांमार में फिर...

बाद 6.4 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे तबाही का मंजर देखने को मिला। इमारतें, पुल, ऐतिहासिक संरचनाएं, सड़कें और अन्य सार्वजनिक बुनियादी ढांचे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए, म्यांमार का दूसरा सबसे बड़ा शहर मंडाले, जहां लगभग 1.5 मिलियन लोग रहते हैं, तबाही का केंद्र बन गया। आधिकारिक अनुमानों के अनुसार, कम से कम 1,002 लोग मारे गए हैं और 2,300 से अधिक घायल हुए हैं। बचाव दल मलबे से शवों को निकालने का काम जारी रखे हुए है, सैन्य नेतृत्व वाली सरकार ने संकेत दिया है कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है, उन्होंने कहा कि विस्तृत आंकड़े अभी भी एकत्र किए जा रहे हैं। इस बीच, यूएसजीएस ने अनुमान लगाया है कि म्यांमार में मरने वालों की संख्या 10,000 से अधिक हो सकती है। पड़ोसी थाईलैंड में जहां भूकंप के कारण इमारतें हिल गईं और बैंकॉक में एक निर्माणाधीन गगनचुंबी इमारत ढह गई, कम से कम नौ लोग मारे गए। 33 मंजिला टॉवर ढहने के स्थान पर बचाव अभियान दूसरे दिन भी जारी रहा, म्यांमार के श्रमिकों सहित 47 लोग अभी भी लापता हैं या मलबे में फंसे हुए हैं।

आरएचएसी की संवैधानिक ...

कॉलेज का काम शीघ्र ही शुरू होगा। शर्मा ने कहा कि हम जल्द ही दुधनोई में एक मेडिकल कॉलेज का निर्माण शुरू करेंगे ताकि यह जिला भी उन्नत स्वास्थ्य सेवा का लाभ उठा सके। इसके अतिरिक्त, उन्होंने कहा कि ग्वालपाड़ा में आयुर्वेदिक कॉलेज और दीन दयाल कॉलेज का निर्माण पहले से ही चल रहा है, जिससे क्षेत्र का शैक्षिक बुनियादी ढांचा और मजबूत होगा। मुख्यमंत्री ने स्थानीय ऐतिहासिक हस्तियों को सम्मानित करने के लिए सरकार के प्रयासों पर भी जोर दिया। उन्होंने ग्वालपाड़ा के राजा दोदान को समर्पित कार्यक्रम *खेल महारण* तथा ग्वालपाड़ा सिविल अस्पताल का नाम बदलकर 1942 के आंदोलन में जिले के एकमात्र शहीद स्वाहिद निधानु राम राजबंगशी के नाम पर रखने के निर्णय जैसी पहलों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि हमने लछित बरफुकन का नाम अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पहुंचाया है और हम यह सुनिश्चित करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं कि राजा दोदान का नाम नई दिल्ली और उससे आगे तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने किसानों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से अनाजों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में उल्लेखनीय वृद्धि पर प्रकाश डाला। शर्मा ने घोषणा की कि पहले किसानों को उनके अनाज के लिए 600 रुपए प्रति क्विंटल मिलते थे। हमने इसे बढ़ाकर 1,800 रुपए, फिर 2,300 रुपए और अब राज्य से अतिरिक्त 250 रुपए के साथ अंतिम एमएसपी 2,550 रुपए हो गया है। शर्मा ने राशन कार्ड लाभ में वृद्धि को भी दोहराया, उन्होंने कहा कि मुफ्त चावल के अलावा, लाभार्थियों को अब बाजार मूल्य से 25 रुपए कम दरों पर 1 किलो दाल और 1 किलो चीनी मिलेगी। इसके अलावा, नमक भी रियायती दर पर उपलब्ध होगा, जो दुकान की कीमत से 10 रुपए कम है। दुधनोई में अपने अभियान के बाद, मुख्यमंत्री आरएचएसी चुनावों के लिए अपने अभियान के तहत एक अन्य चुनावी रैली के लिए बोको चले गए।

गिरफ्तार पत्रकार को जमानत...

कोई पत्रकार अन्य गतिविधियों में शामिल होता है, तो कानून सभी के लिए समान है। मजुमदार को सबसे पहले मंगलवार आधी रात को गुवाहाटी पुलिस ने एक बैंक कर्मचारी द्वारा दर्ज कराए गए मामले के सिलसिले में गिरफ्तार किया था। उस समय वह असम कोऑपरेटिव एपेक्स बैंक लिमिटेड में कथित वित्तीय अनियमितताओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन को कवर करने गए थे। उन्हें बुधवार को इस मामले में जमानत दे दी गई थी, लेकिन अगले दिन बैंक के प्रबंध निदेशक डंबरू सैकिया द्वारा दर्ज कराए गए दूसरे मामले में रिहा होने के तुरंत बाद उन्हें फिर से गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर बैंक के मूल्यवान दस्तावेजों को चुराने का प्रयास करने का आरोप है। डिजिटल पोर्टल *द क्रॉसकरंट* के मुख्य संवाददाता को शुक्रवार को दूसरे मामले में जमानत मिल गई और कानूनी औपचारिकताओं के बाद न्यायिक हिरासत में रात बिताने के बाद रिहा कर दिया गया, उनके वकील ने कहा। मजूमदार, जो गुवाहाटी प्रेस क्लब के सहायक महासचिव भी हैं, की गिरफ्तारी ने पत्रकारों के साथ-साथ अन्य संगठनों द्वारा देशव्यापी विरोध प्रदर्शन किया था, जिसमें पत्रकार की गिरफ्तारी के तरीके पर सवाल उठाए गए थे। प्रेस की स्वतंत्रता के कथित उल्लंघन के खिलाफ शनिवार को राज्य के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन किए गए, जिनमें कांग्रेस, रायजोर दल और वामपंथी दलों के एक समूह द्वारा विरोध प्रदर्शन शामिल थे। विपक्षी दलों द्वारा गुवाहाटी सहित विभिन्न स्थानों पर मुख्यमंत्री के पुतले फूंके गए। शर्मा ने कहा कि पत्रकारिता एक महान पेशा है, लेकिन इसे अन्य के साथ नहीं मिलाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें किसी भी पत्रकार द्वारा उनके खिलाफ लिखने से कोई समस्या नहीं है और कहा कि 2001 से मेरे खिलाफ बहुत कुछ लिखा गया है, जब मैं पहली बार मंत्री बना था। लेकिन मैं उन पत्रकारों से मिलने जाता हूं जो मेरे खिलाफ लिखते हैं, बीमारी या किसी भी समस्या के मामले में उनके साथ रहने की कोशिश करता हूं। उन्होंने कहा कि लेकिन अगर कोई पत्रकार अन्य गतिविधियों में शामिल होता है, तो कानून सबके लिए बराबर है। अगर कल मुख्यमंत्री के तौर पर मैं दूसरों की जमीन हड़पता हूं, तो मुझे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। कानून सबके लिए बराबर है। शर्मा ने यह भी कहा कि भाजपा सरकारें ही एकमात्र ऐसी सरकार हैं जो अपने खिलाफ लिखी गई किसी भी बात पर प्रतिक्रिया नहीं करती हैं। उन्होंने कहा कि हम उन लोगों का मुस्कुराहट के साथ स्वागत करते हैं जो हमारे खिलाफ लिखते हैं। शर्मा ने गुरुवार को कहा था कि किसी पत्रकार को गिरफ्तार नहीं किया गया है और कहा कि डिजिटल पत्रकारों को राज्य सरकार द्वारा मान्यता नहीं दी जाती है। उन्होंने दावा किया कि मजुमदार के खिलाफ कोई भी मामला पत्रकारिता से संबंधित नहीं है और यह अभी तक स्थापित नहीं हुआ है कि पत्रकार व्यवसायी था या अंशकालिक पत्रकार।

खुदाई से मिले मंदिर...

अधिकारी और जिला प्रशासन को अवगत करा दिया है और अनुरोध किया है कि पुरावशेषों को एकत्र कर नगांव कोषागार कार्यालय की सुरक्षित अभिरक्षा में रखा जाए। पुरातत्व विभाग की निदेशक डॉ. दीपी रेखा कौली और उनकी टीम ने इस संबंध में सरकार और जिला प्रशासन को रिपोर्ट सौंप दी है। पुरातत्व विभाग की उपनिदेशक डॉ. चबीना हसन ने कहा कि हमने जिला प्रशासन से अनुरोध किया है कि वह इस स्थल को संरक्षण और संरक्षण के लिए हमें सौंप दे। सर्दियों में योजनाबद्ध तरीके से खुदाई की जाएगी। माना जाता है कि यह क्षेत्र प्राचीन *कपिली घाटी साम्राज्य* का हिस्सा है, जिसे विभिन्न स्रोतों में *दबक* (डोबोका), *कपिली* और *ट्राइबेग* के रूप में संदर्भित किया गया है। समुद्रगुप्त के 4वीं शताब्दी के इलाहाबाद स्तंभ शिलालेख के अनुसार, डोबोका (या डबक या दावका) राज्य गुप्त साम्राज्य के सीमावर्ती राज्यों में से एक था। अन्य संदर्भ लियू सोंग राजवंश के शुंग-शू इतिहास में पाए जाते हैं, जहां राज्य का नाम कपिली (अब एक नदी का नाम) है, और कामरूपी प्राकृत में लिखा गया गचताल पत्थर स्तंभ शिलालेख है। इतिहासकार एनके भट्टासाली ने इसकी पहचान आधुनिक होजाई जिले के डबका और कपिली-कोलोंग नदी घाटी से जुड़े राज्य के साथ की है, पत्रकार दीपांकर फुकन ने कहा कि जो इस क्षेत्र से ताल्लुक रखते हैं। फुकन ने कहा कि मंदिर के अवशेषों की निर्माण विधि की बारीकी से जांच और पत्थर की संरचनाओं की आयु का निर्धारण करने से वास्तविक तथ्य सामने आएंगे। त्रिपुरा के राजाओं के इतिहास के अनुसार, त्रिपुरा के राजा प्रतारदन ने 1900 ईसा पूर्व के आसपास कपिली घाटी में ट्राइबेग नामक एक राज्य की स्थापना की थी। पुरातत्वविद् राजमोहन नाथ ट्राइबेग या त्रिस्रोत की व्याख्या तीन नदियों - कोलोंग, कपिली और जमुना के संगम के रूप में करते हैं। इतिहासकार इस बात पर सहमत हैं कि दाबक और कपिलि राज्य एक ही इकाई के अलग-अलग नाम थे। आस-पास के क्षेत्रों में 5वीं से 12वीं शताब्दी के बीच के मंदिरों के अवशेष बताते हैं कि कपिली-जमुना घाटी शैव और शक्ति संप्रदायों का केंद्र थी, तथा भौम या पाल राजा इसके संरक्षक थे।

राभा हसोंग परिषद चुनाव...

पिछले दो आरएचएसी चुनावों का बहिष्कार किया था। इस साल के चुनाव में उनकी भागीदारी उनकी राजनीतिक रणनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाती है, और उनकी भागीदारी से मतदान के परिणाम पर काफी प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। इस बीच, राभा हसोंग जोथो मंच (आरएचजेएम) पार्टी अभूतपूर्व तीसरे कार्यकाल के लिए प्रयासरत है, हालांकि उसे बढ़ती सत्ता विरोधी भावनाओं से महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। नेतृत्व, विशेष रूप से टंकेश्वर राभा, आबादी के एक हिस्से से अस्वीकृति का सामना कर रहा है। मतदाताओं के एक समूह ने असंतोष व्यक्त किया है, जिसमें निवर्तमान आरएचएसी नेतृत्व पर स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और जातीय विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विफल होने का आरोप लगाया गया है। इस बीच, कांग्रेस पार्टी कई आरएचएसी निर्वाचन क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर इन सत्ता विरोधी भावनाओं का लाभ उठाने के लिए संघर्ष कर रही है। पार्टी की एक मजबूत स्थानीय नेतृत्व को संगठित करने में असमर्थता ने मौजूदा लोगों को प्रभावी ढंग से चुनौती देने के उसके प्रयासों में बाधा उत्पन्न की है। नेतृत्व की यह कमी कांग्रेस की मतदाताओं से जुड़ने और असंतोष को चुनावी लाभ में बदलने की क्षमता को कमजोर करती है।

गौहाटी उच्च न्यायालय...

साथ ही वकीलों और वादियों पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। सैकिया ने इस विरोध के बावजूद सरकार और उच्च न्यायालय के निर्णय का समर्थन करते हुए कहा कि परिसर का स्थानांतरण कानूनी बिरादरी के लिए बेहतर और अच्छा माहौल प्रदान करेगा। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान परिसर में कई बुनियादी ढांचे की कमियां हैं, जिसके बाद इसके नए स्तान पर जाने से वो कमियां दूर हो सकेंगी। गौरतलब है कि गौहाटी उच्च न्यायालय वर्तमान में उजान बाजार क्षेत्र में स्थित है, जहां एक ऐतिहासिक इमारत के साथ-साथ एक आधुनिक बहुमंजिला भवन भी है। असम सरकार ब्रह्मपुत्र के रिवरफ्रंट को विकसित करने के लिए उच्च न्यायालय की जमीन का अधिग्रहण करना चाहती है। इस बात पर जीएचसीबीए अपना विरोध दर्ज कर रहा है।

काठमांडू में हालात...

उनकी झड़प हुई। झड़प के दौरान दो व्यक्तियों की मौत हो गई थी। इसके बाद कई इलाकों में शुक्रवार शाम 4.25 बजे से कर्फ्यू लगाया गया था। इसे शनिवार सुबह 7 बजे से हटा लिया गया। प्रदर्शन उस वक्त हिंसक हो गया जब आंदोलन के संयोजक दुर्गा प्रसाद ने सुरक्षा बैरिकेड तोड़ दिया। वे बुलेटप्रूफ वाहन पर सवार होकर बानेश्वर की ओर बढ़ गए। पुलिस ने 100 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के महासचिव धवल शमशेर राणा और पार्टी के एक केंद्रीय सदस्य रवींद्र मिश्रा भी शामिल हैं। काठमांडू जिला पुलिस रेंज के पुलिस अधीक्षक एपिल बोहरा ने कहा कि मुख्य व्यक्ति प्रसाद अभी फरार है। हिंसक झड़प में 53 पुलिसकर्मी, सशस्त्र पुलिस बल के 22 जवान और 35 प्रदर्शनकारी घायल हुए हैं। वहीं प्रदर्शन के दौरान 14 इमारतों में आग लगा दी गई और नौ में तोड़फोड़ की गई। नौ सरकारी वाहनों को आग लगा दी गई और छह निजी वाहनों में तोड़फोड़ की गई। बता दें कि नेपाल के राजनीतिक दलों ने 2008 में संसद की घोषणा के जरिये 240 साल पुरानी राजशाही को खत्म किया और हिंदू राज्य को एक धर्मनिरपेक्ष, संघीय, लोकतांत्रिक गणराज्य में बदल दिया। तब से राजशाही समर्थक राजशाही की बहाली की मांग कर रहे हैं। पूर्व राजा ज्ञानेंद्र ने लोकतंत्र दिवस (19 फरवरी) पर एक वीडियो संदेश में अपने समर्थन की अपील की थी।

हथियार-हिंसा से ...

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को खत्म करने के लिए संकल्पित हैं। हथियार रखने वालों से मेरी अपील है कि हथियार और हिंसा से बदलाव नहीं आ सकता; केवल शांति और विकास ही बदलाव ला सकता है।

भारत-अमेरिका व्यापार ...

अमेरिका ने चीन पर पहले ही अतिरिक्त शुल्क लगा दिए हैं। इसके अलावा 12 मार्च से स्टील और एल्युमिनियम पर 25 फीसदी शुल्क लगाया गया। वहीं 3 अप्रैल से पूरी तरह तैयार वाहनों (सीबीयूएस) और ऑटो पार्ट्स पर 25 फीसदी टैरिफ लागू होगा। इसके साथ ही वेनेजुएला से तेल खरीदने वाले देशों पर भी 25 फीसदी शुल्क लगाने की घोषणा की गई है, जिससे भारत में तेल का व्यापार प्रभावित हो सकता है। भारत और अमेरिका इस समझौते का पहला चरण 2025 के सितंबर-अक्तूबर तक पूरा करने का लक्ष्य बना रहे हैं। दोनों देश 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर से अधिक करने की योजना पर काम कर रहे हैं। अमेरिका की मांग है कि औद्योगिक वस्त्र, ऑटोमोबाइल, पेट्रोकेमिकल, डेयरी, कृषि उत्पाद पर टैरिफ में कटौती की जाए। वहीं भारत की प्राथमिकताएं है कि टेक्सटाइल और अन्य श्रम-प्रधान उद्योगों के लिए टैरिफ में राहत मिले। वहीं भारतीय उद्योगों और निर्यातकों ने सरकार से अमेरिकी टैरिफ से राहत दिलाने की मांग की है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, इसलिए अधिक शुल्क भारतीय निर्यातकों को नुकसान पहुंचा सकता है।

भाजपा का मिशन...

के किसी भी कोने में जायें... हमें मैथिली, मगही या भोजपुरी बोलने वाले मिल जाएंगे। ईमानदारी से अपने काम को करने की ताकत इसी बिहार की धरती के लोगों में हैं। राजद पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि बढ़ते हुए बिहार को लालू राज ने डूबता हुआ बिहार बना दिया था। एक समय ऐसा आया था कि शाम 5 बजे के बाद लोगों का बाहर निकलना तक मुश्किल हो गया था। उन्होंने कहा कि अपने बचपन के दौरान मैंने गंगा किनारे गांधी सागर सेतु को बनते हुए देखा है, निर्माण कार्य कई दशकों तक चलता रहा। आज बिहार में गंगा किनारे मरीन ड्राइव बन चुका है। सड़क और रेल के बड़े ब्रिज बन चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि वर्ष-2005 में बिहार में ग्रामीण सड़क केवल 384 किमी थी, वहीं आज 1 लाख 12 हजार कि.मी. सड़क बन चुकी है। बिहार में एक्सप्रेस-वे बन चुके हैं। आईआईटी पटना की सौगात मोदी जी ने बिहार को दी है। लालू जी से लोग सड़क बनाने की बात करते थे तो कहते थे कि सड़क बन जाएगी तो पुलिस आजाएगी, ये बेवकूफी ठीक नहीं। उन्होंने कहा कि कभी आपने सोचा था कि पूर्णिया, सारण, सीतामढ़ी, झंझारपुर, सीवान, बक्सर, जमुई जैसे शहरों में मेडिकल कॉलेज खुलेंगे। मोदी जी के नेतृत्व में पटना में एशिया का सबसे बड़ा अस्पताल बनने वाला है। वहीं, एक्स पोस्ट में नड्डा ने लिखा कि आज नई दिल्ली में बिहार दिवस-2025 के अंतर्गत आयोजित *एक भारत-श्रेष्ठ भारत, स्नेह मिलन कार्यक्रम* में सहभागिता कर पूर्वांचल के हमारे भाई-बहनों को संबोधित किया। भारत के गौरवशाली तथा वैभवशाली प्राचीन इतिहास, संस्कृति और सभ्यता को विश्व से परिचित कराने में बिहार की भूमि का योगदान अतुलनीय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में आज बिहार हर क्षेत्र में सशक्त, समृद्ध और सामर्थ्यवान हो रहा है। एनडीए सरकार में बिहार की तीव्रगति से हो रही उन्नति यहां के संघर्षशील लोगों के परिश्रम का परिणाम है, इस ध्येय को समर्पित महत्वपूर्ण कार्यक्रम के लिए मैं समस्त बिहारवासियों का अभिनंदन करता हूं।

सुकमा में हुई मुठभेड...

सुकमा डीआरजी एवं सीआरपीएफ की संयुक्त पुलिस पार्टी नक्सल विरोधी सर्च अभियान के लिए रवाना हुई थीं। गोगुंडा में ऊंचे ऊंचे पहाड़ी है और इस इलाके को नक्सली सबसे सुरक्षित जगह मानते हैं। इस पहाड़ी को जवानों ने रातोंरात चढ़कर घेर लिया। शनिवार की सुबह दोनों तरफ से फायरिंग शुरू हुई। मुठभेड़ के बाद घटनास्थल की तलाशी के बाद भरी मात्रा में हथियार और गोला बारूद के साथ 16 नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं। मुठभेड़ में डीआरजी के दो जवान घायल हुए हैं,जो खतरे से बाहर हैं। उन्हें चिकित्सा सुविधा पहुंचाई गई है। मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में एके 47, एसएलआर,इंसास राइफल, .303 राइफल, रॉकेट एवं बीजीएल लांचर हथियार समेत विस्फोटक पदार्थ बरामद हुआ है। घटना स्थल की तलाशी जारी है ।

मणिपुर के नोनी में ...

मणिपुर के नोनी में दोपहर 02 बजकर 31 मिनट 39 सेकेंड पर 3.8 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र जमीन में 10 किलोमीटर नीचे स्थित था। भूकंप का एपीक सेंटर 24.90 उत्तरी अक्षांश तथा 93.59 पूर्वी देशांत्तर पर स्थित था। उल्लेखनीय है कि पिछले 24 घंटों के दौरान मणिपुर में तीन और मेघालय में एक बार भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। पड़ोसी देश म्यांमार में 7.7 तीव्रता का बेहद शक्तिशाली भूकंप शुक्रवार को आया था। इसके चलते म्यांमार में भारी तबाही हुई है।

सीमा विवाद : मिजोरम ...

पिछले वर्ष 9 अगस्त को एजल में आयोजित मंत्रिस्तरीय वार्ता के दौरान यह प्रस्ताव रखा गया था कि पांचवें दौर की मंत्रिस्तरीय चर्चा से पहले कम से कम तीन बार अधिकारी स्तर की वार्ता आयोजित की जाए। उन्होंने कहा कि पिछले साल अगस्त में हुई मंत्रिस्तरीय वार्ता के बाद, हमने असम को अब तक चार पत्र भेजे हैं, जिनमें से आखिरी हाल ही में भेजा गया पत्र है, जिसमें मंत्रिस्तरीय वार्ता से पहले अप्रैल के मध्य में गुवाहाटी में आधिकारिक स्तर की वार्ता आयोजित करने का प्रस्ताव है। हम असम से ज

एनडीए राभा हासोंग स्वायत्त परिषद चुनावों में निर्णायक जीत के लिए तैयार : भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। राभा हासोंग स्वायत्त परिषद (आरएचएसी) चुनावों की लड़ाई अपने चरम पर पहुंच गई है, और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) राभा समुदाय की गरिमा, पहचान और विकास की आकांक्षाओं की रक्षा करने के लिए अडिग संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। आज एक चुनाव प्रचार रैली में असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और सांसद दिलीप सैकिया और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने एक स्पष्ट आह्वान किया- एनडीए दृढ़ संकल्प, दूरदर्शिता और जवाबदेही के साथ शासन का प्रतीक है। कार्यकर्ताओं और मतदाताओं की एक उत्साहित भीड़ को संबोधित करते हुए, दिलीप सैकिया ने विपक्ष की खोखली बयानबाजी को ध्वस्त करते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि कांग्रेस और उसके जैसे लोग विश्वासघात और दिखावे पर फलते-फूलते रहे हैं। स्वदेशी समुदायों को केवल वोट बैंक के रूप में देखते रहे हैं। वे दिन खत्म हो गए हैं। राभा हासोंग के लोग ऐसे नेताओं के हकदार हैं जो काम करते हैं, न कि कठपुतली जो चापलूसी करते हैं। एनडीए ने शासन में एक अजेय मानक स्थापित किया है- चाहे वह बुनियादी ढांचा हो, शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो या सांस्कृतिक पहचान की सुरक्षा हो। यह चुनाव पुनरुत्थान और प्रतिगमन के बीच, गतिशील नेतृत्व और कुशासन के अवशेषों के बीच की लड़ाई है। एनडीए की दृढ़ प्रतिबद्धता को पुख्ता करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने प्रचार मंच से कहा कि एनडीए के नेतृत्व में असम ने भ्रष्टाचार, अराजकता और आपराधिक तुष्टिकरण का बोझ उतार दिया है। विपक्ष धोखे और विभाजन पर पनपता है, जबकि एनडीए निर्माण, सुरक्षा और सशक्तिकरण करता है। राभा के लोग अब निहित स्वार्थों के कारण चुप नहीं रहेंगे, जो अविकसितता पर पनपते हैं। यह चुनाव हमारे भाग्य को पुन: गरिमा प्राप्त करने के बारे में है- जिसमें एनडीए सबसे आगे है। भ्रष्टाचार के खिलाफ शून्य सहनशीलता, समझौताहीन स्वदेशी सशक्तिकरण और एक परिवर्तनकारी शासन मॉडल के अदम्य ट्रैक रिकॉर्ड के साथ, जनादेश बिल्कुल स्पष्ट है। राभा हासोंग का भविष्य एनडीए के साथ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि

एनडीए हर मतदाता से छल और पतन की राजनीति को अस्वीकार करने का आह्वान करती है। एनडीए के लिए वोट करें, निर्णायक शासन के लिए वोट करें, एक अडिग और पुनरुत्थानशील राभा हसोंग के लिए वोट करें। आज, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के साथ मिलकर बोको और दुधनोई में बड़े पैमाने पर चुनाव प्रचार अभियान चलाया, जिसमें एनडीए और राभा हासोंग संयुक्त संघर्ष समिति के उम्मीदवारों के लिए अटूट समर्थन जुटाया गया। हजारों लोगों की मौजूदगी वाले बोको मेगा चुनाव अभियान में एक महत्वपूर्ण मोड़ दिखा, जिसमें जनता की भारी प्रतिक्रिया ने एनडीए की ऐतिहासिक जीत का संकेत दिया। अपने दमदार भाषण में, सैकिया ने लोगों से 2 अप्रैल को होने वाले आगामी चुनावों में एनडीए और राभा हासोंग संयुक्त संघर्ष समिति के उम्मीदवारों की शानदार जीत सुनिश्चित करने का आह्वान किया, जिसमें विकास और स्वदेशी अधिकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया। उन्होंने मतदाताओं से भाजपा के लिए कमल के प्रतीक और राभा हासोंग संयुक्त संघर्ष समिति के लिए टीवी के चुनाव चिह्न के पक्ष में मतदान करने का आग्रह किया, ताकि क्षेत्र में मजबूत और स्थिर शासन सुनिश्चित हो सके। रैलियों में राभा हासोंग स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य टंकेश्वर राभा और असम सरकार के मंत्री जयंत मल्ल बरुवा सहित कई अन्य प्रमुख नेताओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जिससे एनडीए के अभियान की गति और मजबूत हुई। इस बीच, राभा हासोंग स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य टंकेश्वर राभा ने लोगों से राभा हासोंग चुनावों से कांग्रेस का सफाया करने का आह्वान किया, ताकि विपक्ष को पूरी तरह से पराजय का सामना करना पड़े। असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा पर तीखा कटाक्ष करते हुए टंकेश्वर राभा ने मजाकिया अंदाज में कहा कि बोरा अपनी लगातार अपमानजनक हार के लिए गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में जगह बनाने की राह पर हैं।

ताबड़तोड़ रंगिया विधायक ने किया योजनाओं का शुभारंभ

रंगिया (निसं)। रंगिया विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत कई गांवों के नामघर के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता पत्र वितरण समारोह का आयोजन रंगिया सम-जिला प्रशासन द्वारा किया गया। उक्त समारोह में रंगिया के विधायक भवेश कलिता उपस्थित रहे। गांवों के नामघर अच्छे हों, इसकी सफाई रखी जाए, इसके लिए विधायक कलिता ने लोगों से अनुरोध किया। दूसरी ओर हाल ही में रंगिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक भवेश कलिता ने कई विकासात्मक परियोजनाओं का ताबड़तोड़ शिलान्यास किया। वहीं आज शनिवार को ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रंगिया विधानसभा क्षेत्र के आरिमत्त वैद्यगड़ गांव पंचायत अंतर्गत बालागांव में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की पीएम एबीएचआईएम योजना के तहत 46 लाख रुपयों की लागत से नवनिर्मित बालागांव उप-स्वास्थ्य केंद्र (बालागांव आयुष्मान आरोग्य मंदिर) का औपचारिक शुभारंभ किया। इसके अलावा उक्त पंचायत के अंतर्गत तुलसीबाड़ी में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन योजना के तहत 20 लाख रुपयों की लागत से नवनिर्मित तुलसीबाड़ी आयुश चिकित्सालय भवन का औपचारिक शुभारंभ करते हुए रंगिया के विधायक और राज्य भाजपा के पूर्व अध्यक्ष भवेश कलिता ने जनता की सेवा के लिए समर्पित किया। विधायक महोदय ने इसके द्वारा लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा प्राप्त होने की आशा प्रकट की। साथ ही बिछेनाला गांव में एक स्वास्थ्य शिविर का भी उद्घाटन विधायक ने किया।

किराए के मकान से युवक का शव बरामद

डिब्रूगढ़ (हिंस)। डिब्रूगढ़ जिले के दुलियाजान इलाके में किराए के मकान से एक युवक का शव बरामद किए जाने के बाद पुलिस ने मृत युवक के तीन दोस्तों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि दुलियाजान के एनसी गांव इलाके में किराए के मकान में रहने वाले उदित गोगोई नामक युवक का शव बरामद किया गया है। मृतक नागेंद्र चंद्र शाह के किराए के मकान में रहता था। मूल रूप से वह चराईदेव जिले के सिमलीगुड़ी के शंघरा गांव का रहने वाला बताया गया है। मृत युवक शुक्रवार की शाम अपने तीन दोस्तों के साथ बाइक से अरुणाचल प्रदेश के नामसाई इलाके में घूमने के लिए गया था। नामसाई के एक रिसॉर्ट में चारों दोस्तों ने जमकर पार्टी किया। लौटने के समय दुर्घटना होने की वजह से उदित गोगोई घायल हो गया था। इसकी जानकारी उसके तीन दोस्तों ने दी है। दुर्घटना के बाद उदित गोगोई के घर में तीनों दोस्त ठहरे हुए थे। उदित की मौत होने के बाद तीनों दोस्तों ने पुलिस के समक्ष आत्म समर्पण कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मृत युवक के तीनों दोस्तों से सघन पूछताछ कर रही है। वहीं इस घटना को लेकर मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया है कि उसके तीनों दोस्तों द्वारा सुनियोजित तरीके से युवक की हत्या की गयी है। इस घटना के निष्पक्ष जांच करते हुए सभी आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की है।

बीटीआर की महिलाओं के नेतृत्व के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर

बाक्सा (हिंस)। विश्व धरोहर स्थल मानाह राष्ट्रीय उद्यान के बांहबाड़ी रेंज के समीप स्थित मानाह जंगल रेटरी में *बोड़ोलैंड वुमन एम्पावरमेंट मिशन* के तहत बीटीआर की महिलाओं के लिए दो दिवसीय नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज समापन हुआ। यह कार्यक्रम बीटीआर सरकार की पहल पर आयोजित किया गया है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन बाक्सा जिले के कोकलाबाड़ी परिषद क्षेत्र के पार्षद मोंटू बोड़ो ने किया। कार्यक्रम का संचालन बोड़ोलैंड वुमन एम्पावरमेंट मिशन की अध्यक्ष प्रतिभा ब्रह्म ने किया। उद्घाटन समारोह में शालबाड़ी टीसीएलसीसी के अध्यक्ष बिनोद मुसाहारी, बीटीसी सचिवालय के महिला और बाल विकास विभाग की विशेषज्ञ पद्मिनी ब्रह्म सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में बाक्सा जिले के विभिन्न स्व-सहायता समूहों की महिलाओं के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों की महिलाओं ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया।

राज्यपाल ने भट्टदेव विवि के प्रथम दीक्षांत समारोह में उपाधियां प्रदान कीं

बजाली (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने कहा कि 21वीं सदी डिजिटल क्रांति का युग है, जो नए युग के छात्रों के लिए अनेक अवसर प्रस्तुत करता है। भट्टदेव विश्वविद्यालय एक नया विश्वविद्यालय होने के नाते अपने छात्रों को डिजिटल तकनीक के ज्ञान से सशक्त बनाने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए ताकि वे जीवन में अपने सपनों को प्राप्त कर सकें। राज्यपाल आचार्य ने आज बजाली में भट्टदेव विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) स्वास्थ्य सेवा से लेकर परिवहन तक, मनोरंजन से लेकर शिक्षा तक पूरी दुनिया को बदल रही है, एआई उद्योगों में क्रांति ला रही है और मानवीय क्षमता को बढ़ा रही है। उन्होंने भट्टदेव विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों से छात्रों को एआई के विज्ञान में निपुण बनाने में मदद करने के लिए एआई आधारित पाठ्यक्रम शुरू करने का आह्वान किया। असमिया गद्य के जनक भट्टदेव के नाम से प्रसिद्ध बैकुंठनाथ भट्टाचार्य को श्रद्धांजलि देते हुए राज्यपाल ने कहा कि भट्टदेव के योगदान के अनुरूप विश्वविद्यालय को 21वीं सदी के लिए प्रासंगिक शिक्षा और ज्ञान के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूने का प्रयास करना चाहिए। साथ ही आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर शिक्षण देने के साथ-साथ विश्वविद्यालय को असमिया और संस्कृत साहित्य पढ़ाने में भी अपनी पहचान बनानी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि राज्य भर में शिक्षा के क्षेत्र में *बजाली* की एक अलग पहचान है। शिक्षा के साथ-साथ इसने भाषा, साहित्य, कला और संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसलिए उन्होंने छात्रों से विश्वविद्यालय और इसके स्थान के प्रति ऋणी रहने को कहा। राज्यपाल आचार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी के नेतृत्व में भारत ने उच्च शिक्षा में सुलभता, समावेशिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने में तेजी से प्रगति की है। डिजिटल नवाचार जैसे लक्षित हस्तक्षेपों के माध्यम से शैक्षिक असमानताओं को पाटने और भावी पीढ़ियों को सशक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। स्नातकों को इस शैक्षणिक परिवर्तन का अभिन्न अंग बताते हुए राज्यपाल ने उनसे कहा कि वे अपने विश्वविद्यालय से प्राप्त ज्ञान का उपयोग राज्य के साथ-साथ देश में भी गुणात्मक परिवर्तन लाने के लिए करें। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) एक मजबूत शिक्षा प्रणाली है जो भारत की समृद्ध ज्ञान परंपराओं पर आधारित उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करती है, जो भारत को वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करती है। आचार्य ने स्नातकों से कहा कि वे विभिन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए विश्वविद्यालय में प्राप्त अपने ज्ञान, कौशल और अनुभव का सर्वोत्तम उपयोग करें। राज्यपाल ने कहा कि भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए देश को ऐसे नेताओं की आवश्यकता है जो न केवल तकनीकी ज्ञान से लैस हों, बल्कि दूरदर्शी दृष्टिकोण और मजबूत नैतिक मूल्यों से युक्त हों, ताकि देश को उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाया जा सके। राज्यपाल ने आगे कहा कि आप अब स्नातक हो चुके हैं और जीवन के नए चरण में कदम रख रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि इस विश्वविद्यालय में आपने जो ज्ञान और कौशल अर्जित किया है, वह जीवन में उभरते अवसरों का लाभ उठाने में आपकी मदद करेगा। इस अवसर पर राज्यपाल ने भट्टदेव विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों और प्रबंधन को अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने के लिए बधाई दी।

एसएसबी ने चार साइकिल सहित इमारती लकड़ी जब्त किया

कोकराझाड़ (विभास)। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, रानीगुली के सीमा चौकी सरलपाड़ा को गुप्त सूचना मिली। उसके आधार पर एसएसबी के जवानों ने वन विभाग उल्टापानी के साथ मिलकर, भारत-भूटान पिलर से भारत की ओर सालवारी गांव के एरिया में नाका गश्ती की। इस दौरान अवैध रूप से कटे (115.69 सीएफटी) इमारती लकड़ियों को चार साइकिल पर लाद कर रखा हुआ पाया गया। जिस कटी इमारती लकड़ी एवं चार साइकिल को जब्त किया गया। जब्त किये गए लकड़ी व चारो साइकिलों को वन विभाग उल्टापानी को अग्रिम कार्यवाही हेतु सूपुर्द कर दिया गया। छठीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल लगातार भारत-भूटान सीमा पर भारतीय वन क्षेत्रों में गश्ती एवं चौकसी के कारण तस्करों की अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने में सफल हुई है।

सचल शाखा का छठा द्विवार्षिक अधिवेशन संपन्न

गुवाहाटी। अखिल असम लेखिका समारोह समिति की सचल शाखा का छठा द्विवार्षिक अधिवेशन शनिवार को सचल के रवींद्र नाथ दास सभागार में आयोजित किया गया। इस मौके पर सचल शाखा लेखिका समारोह समिति की अध्यक्ष प्रणीता शर्मा ने झंडोत्तोलन किया। द्वीप प्रज्वलित सलाहकार डॉ. हिरण्मयी नाथ ने की। शाखा की वरिष्ठ सदस्य बीणा दास ने स्मृति तर्पण किया। उद्घाटन समारोह दोपहर 2.30 बजे तक चिर सेनेही मोर भाषा जननी गीत के साथ शुरू हुआ और इसकी अध्यक्षता सचल शाखा अध्यक्ष प्रणीता शर्मा ने की। बैठक का उद्घाटन कामरूप महानगर जिला लेखिका समारोह समिति की सचिव शेवाली भगवती ने किया। सचल शाखा लेखिक समारोह समिति की सचिव चित्रा दास ने स्वागत भाषण प्रदान किया। सचिव सचल शाखा की गत दो वर्षों की विभिन्न गतिविधियों एवं लेखा-जोखा की रिपोर्ट भी पड़ी। बैठक में झारखंड विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर जेउती बरुवा ने नारी, साहित्य और समाज विषय पर महत्वपूर्ण भाषण प्रदान कर लोगोंका ध्यान आकर्षित किया। बैठक में सचल शाखा लेखिका समारोह समिति के द्विवार्षिक स्मारिका लनी दत्त और डॉ.मंजुला हुसैन की संपादित सुबास सा विमोचन डॉ. जेउती बरुवा ने किया। बैठक में सचलशाखा की सदस्य अंजली शर्मा की कथा संकलन स्खलन का विमोचन

विशिष्ठ बाल साहित्यिक तथा कामरुप महानगर जिला लेखिका समारोह समिति की सलाहकार नीलिमा बोरा ने किया। डॉ. हिरण्मयी नाथ को विशेष रुप से सम्मनित किया गया। नाथ का सचल शाखा लेखिका समारोह समिति की स्थापना से सलाहाकार के रुप में सक्रिय भूमिका रही है। बैठक में कामरूप महानगर जिला लेखिका समारोह समिति की विभिन्न शाखाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अर्पणा सइकिया और लनी दत्त ने सरस्वती वंदना और शाखा की सदस्यों ने समवेत संगीत से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। बैठक का समापन अध्यक्ष के संक्षिप्त भाषण और संयुक्त सचिव सांत्वना दास बर्मन के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

कॉटन विवि में कल होगा पहला बोडोफा उपेंद्र नाथ ब्रह्म स्मारक व्याख्यान का आयोजन

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) सरकार, असम सरकार के शिक्षा विभाग के सहयोग से 31 मार्च, 2025 को कॉटन यूनिवर्सिटी के केबीआर ऑडिटोरियम में पहला बोडोफा उपेंद्र नाथ ब्रह्म स्मारक व्याख्यान आयोजित करेगी। यह कार्यक्रम बोडोफा उपेंद्र नाथ ब्रह्म की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाएगा, जिसे असम के शैक्षणिक संस्थानों में छात्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। व्याख्यान का विषय *शांति का बोड़ोलैंड मॉडल - बोड़ोलैंड का परिवर्तन और भविष्य के लिए एक दृष्टिकोण* क्षेत्र में प्रगति और विकास पर चर्चा के लिए मंच तैयार करेगा। राज्य के शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगु मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे और मुख्य भाषण देंगे। स्मारक व्याख्यान बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा, जो कार्यक्रम के विषय पर केंद्रित होगा। प्रो. रमेश चंद्र डेका, कॉटन यूनिवर्सिटी के कुलपति, मुख्य अतिथि के रूप में कार्य करेंगे और व्याख्यान के बाद एक संवादात्मक सत्र का संचालन करेंगे। कार्यक्रम में असम सरकार के शिक्षा विभाग के सचिव नारायण कुंवर का स्वागत भाषण, बोडोफा उपेंद्र नाथ ब्रह्म के जीवन और योगदान पर एक वीडियो स्क्रीनिंग और बोड़ोलैंड के कलाकारों द्वारा एक सांस्कृतिक प्रदर्शन भी शामिल होगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बोडोफा उपेंद्र नाथ ब्रह्म की विरासत का सम्मान करना है और साथ ही बोड़ोलैंड के परिवर्तन और भविष्य पर चर्चा को बढ़ावा देना है।

असमिया फिल्म रुद्र का गाना और पोस्टर विमोचन

गुवाहाटी (विभास)। बहुप्रतीक्षित असमिया फिल्म रुद्र का पोस्टर और गाना जू रोड स्थित श्रद्धांजलि कानन में रिलीज किया गया। रघुपति की अपार सफलता के बाद अभिनेता रवि शर्मा की यह अगली फिल्म है। फिल्म का निर्देशन रूपक गोगोई ने किया है और इसमें आदिल हुसैन, रवि शर्मा और नंदिनी कश्यप मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का संगीत दिगंत भारती द्वारा रचित है और इसमें जुबीन गर्ग, नील आकाश और भास्वती भारती ने कंठदान दिया हैं। फिल्म का निर्माण ओपी गाड़ोदिया, अरविंद गाड़ोदिया, गौतम बेड़िया, मनोज कुमार बेड़िया, राजेश कुमार मोर, राज चौधरी और सुजाता चौधरी ने किया है। फिल्म का निर्देशन मानस गांगुली ने किया है और कोरियोग्राफी हेमंत शर्मा और उपासना मोहंती गोगोई ने की है। फिल्म का निर्माण हृषिकेश भट्टाचार्य और पवन मोर ने किया है। फिल्म के थीम गीत के लिए एक प्रतियोगिता की विजेता लिसा दृष्टि को 25 हजार रुपए के चेक से सम्मानित किया गया। यह गाना

इब्सनलाल बरुवा की देखरेख में रिकॉर्ड किया गया था और नील आकाश ने गाया था। कार्यकारी निर्माता हृषिकेश भट्टाचार्य ने मीडिया को बताया कि वह फिल्म को लेकर सभी आशावादी हैं। पोस्टर और गाना की रिलीज के अवसर पर असम सरकार की सांस्कृतिक विभाग के निदेशक राहुल चंद्र दास और गुवाहाटी पुलिस आयुक्त पार्थ सारथी महंत सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे समारोह के अंत में फिल्म के गानों पर सभी दर्शकों ने मंच पर आकर नृत्य करते हुए फिल्म की सफलता की कामना की।

नोखा नागरिक महिला शक्ति ने गणगौर का सिंजारा कार्यक्रम आयोजित किया

गुवाहाटी (विभास)। नोखा नागरिक परिषद महिला शक्ति द्वारा आयोजित गणगौर बन्दोरा का भव्य और रंगारंग कार्यक्रम माहेश्वरी भवन में आयोजित किया गया, जिसमें मनीषा पींचा, रेखा दम्मानी, विनता डागा, प्रीति बैद, बबीता बैद ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रतियोगिताएं, और डीजे डांस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुवात स्वागत गीत आओ पधारो बाईसा से गणगौर का प्रवेश करके हुआ। दीप प्रज्वलित विनायक गीत से सांस्कृतिक कार्यक्रम की औपचारिक शुरुवात हुई। जिसमे निर्णायक की भूमिका को सोनिया सारडा व दीपिका अग्रवाल उपस्थित थी। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत गवर ईश्वर पुरस्कार पूर्णिमा व प्रिंसी फलोदिया को मिला। युगल प्रतियोगिता, दुल्हन प्रतियोगिता में पुरस्कार मधु बैंद, रश्मि

कंकानी, पायल डागा को मिला, उसके बाद लॉटरी, डांस धमाका, गणगौर के गीत और प्रायोजकों का सम्मान सहित कई कार्यकम आयोजित किए गए। इसके बाद, ढेर सारी मस्ती और डीजे डांस का आयोजन किया गया। गणगौर के गीतों पर सभी झूमने पर मजबूर हो गए। घुड़लो घुमेला जी.... पूजो ए पुजारियों बाया, इसमें नोखा की बहन, बेटी, बहु सभी एक छत के नीचे एक साथ मिलकर कार्यकम मनाया। जिसमें सभी नोखा प्रवासीयो ने भारतीय सांस्कृतिक के रूप में एक भारत श्रेष्ठ भारत की थीम के पर नोखा की बहु, बेटियों ने एक सामूहिक नृत्य राजस्थानी, पंजाबी, दक्षिण भारत, महाराष्ट्र और असमिया की अलग अलग वेश भूषा में विभिन्नता में एकता का रूप दिखाया जो सब का मोह लिया। इस कार्यक्रम में नोखा नागरिक परिषद के अध्यक्ष कमल बैंद, मंत्री उमाशंकर गट्टाणी, कोषाध्यक्ष कन्हैयालाल पींचा, विकास पींचा, रमेश बैद, राम दम्मानी, सुभाष दम्मानी, मुकेश गोलछा भी मौजूद थे। परिषद की ओर से महावीर चांडक ने बताया कि इस आयोजन में संतोष दम्मानी, चंचल बैंद, कनक पींचा, मोना पींचा, किरण चांडक, अंकिता गट्टाणी सहित सभी नोखा प्रवासी बहन, बेटी व बहुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

संपादकीय

अवैध घुसपैठ को रोकने कानून

गृहमंत्री अमित शाह ने बीते दिन राष्ट्रीय सुरक्षा एवं अवैध आप्रवास से जुड़े विधेयक 'आप्रवास और विदेशियों विषयक विधेयक, 2025' को प्रस्तुत किया, जो लोकसभा में पारित भी हो गया है। यह देखना हैरानी भरा है कि विपक्ष की ओर से विशेषकर कांग्रेस ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े इस विधेयक का पुरजोर विरोध किया। अपने विरोध को तार्किक दृष्टिकोण देने के लिए कांग्रेस की ओर से कहा गया कि यह विधेयक संतुलित नहीं है, इस कारण इसका दुरुपयोग किया जा सकता है। प्रस्तावित विधेयक को संतुलित और समग्र बनाने के लिए इसे संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा जाना चाहिए। कांग्रेस का यह भी कहना है कि यह विधेयक नागरिकों के मौलिक अधिकारों को उल्लंघन करता है। किसी भी अच्छे कदम का विरोध करने के लिए कांग्रेस भी गजब के तर्क खोजकर लाती है। यह विधेयक भारत के नागरिकों के संदर्भ में है ही नहीं, तब नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन कैसे होगा? यह विधेयक तो विदेश से होनेवाली अवैध घुसपैठ को रोकने में प्रभावी भूमिका निभाएगा। कांग्रेस से यह प्रश्न पूछा जाना चाहिए कि वह किन नागरिकों के मौलिक अधिकारों के उल्लंघन की चिंता कर रही है? क्या उसे रोहिंग्या और अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों की चिंता है? हालांकि कांग्रेस ने प्रश्न उठाया है कि भाजपा सरकार दस वर्ष से सत्ता में है, उसने अब तक रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों को देश से निकाल बाहर क्यों नहीं किया है? कांग्रेस का यह प्रश्न उचित ही जान पड़ता है। लेकिन, सवाल यह भी है क्या प्रभावी कानून के अभाव में यह कार्य इतना आसान है? भाजपा ने जब भी रोहिंग्या और बांग्लादेश से आए घुसपैठियों की पहचान करने का मुद्दा उठाया है, तब कांग्रेस ने कहाँ पुरजोर ढंग से इस मुद्दे में अपनी सहमति दी है? अपितु, कांग्रेस ने ऐन-केन-प्रकारेण अपना विरोध ही दर्ज कराया है। उल्लेखनीय है कि अभी आप्रवास और विदेशियों से संबंधित चार कानून थे। इनमें से अधिनियम 1920, 1939 और 1946 में पहले और द्वितीय विश्व युद्ध की आपाधापी में बनाए गए, जो कि अंग्रेज सरकार को रक्षण देने का काम करते थे। अंग्रेजों ने जो कानून अपनी सुविधा के लिए बनाए थे, स्वतंत्रता के इतने वर्षों बाद तक हम उन्हीं के अनुसार काम कर रहे थे। यह अच्छी बात है कि मोदी सरकार ने इन चारों कानूनों को निरस्त कर इसकी जगह यह एक ही प्रभावी कानून लाने का निर्णय लिया। तीन साल के अध्ययन के बाद भारत में आज के समय की आवश्यकताओं, चुनौतियों और खतरों को देखते हुए केंद्र सरकार यह कानून लेकर आई है। जब लोकसभा में विपक्षी दलों के नेता 'आप्रवास और विदेशियों विषयक विधेयक, 2025' का विरोध कर रहे थे तब गृहमंत्री अमित शाह ने उन्हें कठोर शब्दों में उत्तर दिया। उन्होंने उचित ही कहा कि "यह देश कोई धर्मशाला नहीं है, जो जब चाहे जिस उद्देश्य से चाहे यहां आकर रह जाए। विदेश से आने वाले अगर किसी से राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा होगा, तो निश्चित रूप से उसे भारत में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह तय करने का काम भारत सरकार का है। हां, सही और सचे उद्देश्य से भारत में आने वाले विदेशियों का स्वागत है"। गृहमंत्री ने कानून और उसके उद्देश्य को लेकर सम्यक दृष्टिकोण रखा है।

कांग्रेस से यह प्रश्न पूछा जाना चाहिए कि वह किन नागरिकों के मौलिक अधिकारों के उल्लंघन की चिंता कर रही है? क्या उसे रोहिंग्या और अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों की चिंता है? हालांकि कांग्रेस ने प्रश्न उठाया है कि भाजपा सरकार दस वर्ष से सत्ता में है, उसने अब तक रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों को देश से निकाल बाहर क्यों नहीं किया है? कांग्रेस का यह प्रश्न उचित ही जान पड़ता है। लेकिन, सवाल यह भी है क्या प्रभावी कानून के अभाव में यह कार्य इतना आसान है? भाजपा ने जब भी रोहिंग्या और बांग्लादेश से आए घुसपैठियों की पहचान करने का मुद्दा उठाया है, तब कांग्रेस ने कहाँ पुरजोर ढंग से इस मुद्दे में अपनी सहमति दी है? अपितु, कांग्रेस ने ऐन-केन-प्रकारेण अपना विरोध ही दर्ज कराया है। उल्लेखनीय है कि अभी आप्रवास और विदेशियों से संबंधित चार कानून थे। इनमें से अधिनियम 1920, 1939 और 1946 में पहले और द्वितीय विश्व युद्ध की आपाधापी में बनाए गए, जो कि अंग्रेज सरकार को रक्षण देने का काम करते थे। अंग्रेजों ने जो कानून अपनी सुविधा के लिए बनाए थे, स्वतंत्रता के इतने वर्षों बाद तक हम उन्हीं के अनुसार काम कर रहे थे। यह अच्छी बात है कि मोदी सरकार ने इन चारों कानूनों को निरस्त कर इसकी जगह यह एक ही प्रभावी कानून लाने का निर्णय लिया। तीन साल के अध्ययन के बाद भारत में आज के समय की आवश्यकताओं, चुनौतियों और खतरों को देखते हुए केंद्र सरकार यह कानून लेकर आई है। जब लोकसभा में विपक्षी दलों के नेता 'आप्रवास और विदेशियों विषयक विधेयक, 2025' का विरोध कर रहे थे तब गृहमंत्री अमित शाह ने उन्हें कठोर शब्दों में उत्तर दिया।

स्वास्थ्य मोर्चे पर भारत की उपलब्धियों आश्चर्यकारी रही है

भारत के सशक्त स्वास्थ्य मोर्चे का दुनिया ने लोहा माना

ललित गर्ग

देश भर में चलाई जा रही विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं से देश में व्यापक पैमाने पर बदलाव ही नहीं, बल्कि आमूल-चूल परिवर्तन आया है। यह बात हम नहीं कह रहे, बल्कि पूरी दुनिया इस योजना का लोहा मान रही है। संयुक्त राष्ट्र ने भारत में विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के तहत शिशु मृत्यु दर में कमी लाने की तारीफ की है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वस्थ भारत मिशन' के तहत देश भर में चलाई जा रही विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं से देश में व्यापक पैमाने पर बदलाव ही नहीं, बल्कि आमूल-चूल परिवर्तन आया है। यह बात हम नहीं कह रहे, बल्कि पूरी दुनिया इस योजना का लोहा मान रही है। संयुक्त राष्ट्र ने भारत में विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के तहत शिशु मृत्यु दर में कमी लाने की तारीफ की है। इतना ही नहीं यूएन ने प्रधानमंत्री मोदी की आयुष्मान भारत योजना को भी शानदार, अनूठी एवं प्रेरक बताया है। एक कार्यक्रम के दौरान विश्व निकाय ने 'आयुष्मान भारत' जैसी स्वास्थ्य पहलों का उदाहरण देते हुए शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में भारत के प्रयासों और प्रगति की सराहना की तथा इसे 'अनुकरणीय' बताया। मोदी सरकार के ऐसे कामों एवं उपलब्धियों की आलोचना करने वालों को प्रशंसा भी करनी चाहिए, क्योंकि अच्छे काम के लिए प्रशंसा सरकारों को मूल्यवान महसूस कराती हैं और उन्हें अपने काम के प्रति अधिक वफ़ादार एवं जिम्मेदार बनाती हैं। अनेक शोध के अनुसार, जो देश एवं प्रांत अपनी सरकारों की उल्लेखनीय उपलब्धियों को मान्यता देते हैं, उनकी उत्पादकता और प्रदर्शन में अधिक वृद्धि देखी जाती है और दुनिया इसकी प्रशंसा करती है। प्रशंसा और आभार व्यक्त करने से समुदाय की भावना, जिम्मेदारी और राष्ट्र के लिये कुछ अधिक सशक्त करने का एक कारण मिलता है। ऐसे कारणों से नया भारत, विकसित भारत एवं सशक्त भारत का निर्माण होता है। मोदी सरकार अनेक क्षेत्रों में अनूठा एवं विलक्षण करते हुए देश से न केवल गरीबी का कलंक मिटाया है बल्कि अनेक समस्याओं से मुक्ति भी दिलायी है। स्वास्थ्य मोर्चे पर भारत की उपलब्धियों आश्चर्यकारी रही है, कोरोना-काल में भारत ने दुनिया को स्वास्थ्य-सहायता पहुंचायी है। वर्ष 2000 के बाद भारत में नौनिहालों का जीवन बचाने की सार्थक एवं प्रभावी मुहिम छेड़ी है, जो एक बड़ी छलांग एवं उपलब्धि है। संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी के इस आकलन से मोदी सरकार अपनी पीठ थपथपा सकती है कि संयुक्त राष्ट्र एजेंसी की रिपोर्ट में उन योजनाओं और कार्यक्रमों का उल्लेख किया गया है, जिनके चलते शिशुओं की मृत्युदर कम करने में सफलता मिली है। इसका अर्थ है कि बीते कुछ समय में स्वास्थ्य सेवाओं और ढांचे को बेहतर करने के लिए वास्तव में कई

उल्लेखनीय कदम उठाए गए हैं। इनमें आयुष्मान भारत योजना भी है। इसका उल्लेख भी संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने विशेष रूप से किया है। यह स्वास्थ्य संबंधी विश्व की सबसे बड़ी योजना है। यह निर्धन परिवारों के लिए वरदान सिद्ध हुई है। आश्चर्य नहीं कि संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने कहा कि भारत ने रणनीतिक निवेश के माध्यम लाखों लोगों के जीवन को बचाने का काम किया है। आयुष्मान भारत योजना की उपयोगिता को देखकर ही हाल में 70 वर्ष की आयु के सभी बुजुर्गों को इस योजना के दायरे में लाया गया है। इसने दिखाया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, साक्ष्य-आधारित रणनीतियों और निरंतर निवेश से शिशु मृत्यु दर में ही नहीं, बल्कि अन्य स्वास्थ्य चुनौतियों में पर्याप्त कमी लाई जा सकती है। संयुक्त राष्ट्र अंतर-एजेंसी समूह की बाल मृत्युदर आकलन रिपोर्ट में भारत, नेपाल, सेनेगल, घाना व बुरुंडी का उदाहरण दिया गया। वर्ष 2000 से भारत ने पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्युदर में 70 व नवजात शिशुओं की मृत्युदर में 61 प्रतिशत की कमी हासिल की है। स्वास्थ्य कवरेज बढ़ाने, सशक्त स्वास्थ्य नीतियों एवं योजनाओं से मौजूदा स्थिति को सुधारने के लिए किए गए उपायों के कारण ऐसा संभव हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हर गर्भवती महिला मुफ्त प्रसव की हकदार है और शिशु देखभाल संस्थानों में मुफ्त परिवहन, दवाएं, निदान और आहार इसमें सहायता प्रदान करती है। भारत ने प्रसूति प्रतीक्षा गृहों, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य विंग, बीमार नवजात की देखभाल, मातृ देखभाल और जन्म दोष जांच के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है। भारत ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए दाइयों व कुशल प्रसव सहायकों के प्रशिक्षण और तैनाती को भी प्राथमिकता दी है। दुनिया भर में लगभग एक अरब बच्चे पहले से ही उच्च जोखिम वाले जलवायु खतरों का सामना कर रहे हैं और बच्चों के जलवायु जोखिम सूचकांक में भारत 26वें स्थान पर है। रिपोर्ट में पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है कि जलवायु संकट बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा पर तथा पानी जैसे आवश्यक संसाधनों तक उनकी पहुंच पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। लेकिन भारत इन स्थितियों में स्वास्थ्य चुनौतियों को कम करने के लिये सशक्त योजनाओं एवं सोच के साथ तत्पर है। मोदी सरकार की प्रभावी स्वास्थ्य योजनाओं के बावजूद अब भी स्वास्थ्य के मोर्चे पर बहुत कुछ किया जाना बाकी है। बड़ी हकीकत यह भी है कि एक बड़ी संख्या में लोग सरकारी अस्पतालों में मजबूरी में ही उपचार कराना पसंद करते हैं। छोटे शहरों और गांवों में न केवल डॉक्टरों, स्वास्थ्य कर्मियों की कमी है, बल्कि अस्पतालों और मेडिकल उपकरणों की भी। इसके चलते इन क्षेत्रों के लोग शहरों के बड़े अस्पतालों की ओर दौड़ लगाते हैं, जहां निजी क्षेत्र के अस्पतालों के मुकाबले सरकारी अस्पताल बहुत पीछे नजर आते हैं। यह सही है कि बीते कुछ वर्षों में अनेक नए मेडिकल कॉलेज खुले हैं, लेकिन सरकार के सामने बड़ी समस्या है कि इन मेडिकल कॉलेजों से निकले डॉक्टर ग्रामीण इलाकों में सेवाएं देने के लिए तैयार नहीं होते। सरकारी अस्पतालों को सशक्त एवं सर्वसुविधायुक्त किया गया है लेकिन समय के साथ उपचार महंगा होता जा रहा है। यदि किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त व्यक्ति को निजी अस्पताल में उपचार कराना पड़ता है तो वह कर्जे में डूब जाता है। इसका एक कारण यह भी है कि अपने यहां स्वास्थ्य बीमा का उतना चलन नहीं, जितना आवश्यक है। सरकारें इससे अनभिज्ञ नहीं हो सकतीं कि अधिक आयु के लोगों के लिए स्वास्थ्य बीमा महंगा होता जाता है और इसके बाद भी उसमें अच्छा-खासा जीएसटी लगता है। सरकार को अधिक प्रभावी स्वास्थ्य परिणामों के लिये स्वास्थ्य सेवाओं एवं दवाओं को जीएसटी से मुक्त करना चाहिए।

दृष्टि कोण

न्यायाधीशों की नियुक्ति में केंद्र को मिला मौका

दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के सरकारी आवास से कथित तौर पर मिले लाखों रुपए के बाद हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति और तबादलों में केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करने का मौका मिल गया है। केंद्र सरकार ने संसद में कॉलेजियम व्यवस्था के स्थान पर राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग का कानून पारित किया था। इस कानून के एक विवादास्पद प्रावधानों में राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग में भारत के प्रधान न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के दो वरिष्ठतम जजों और केन्द्रीय कानून मंत्री के अलावा दो जानी-मानी हस्तियों को शामिल करने की व्यवस्था थी। वर्ष 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग कानून (एनजेएसी) को असंवैधानिक ठहराते हुए रद्द कर दिया था। जस्टिस वर्मा नोट प्रकरण के बाद न्यायिक नियुक्ति आयोग फिर से लागू करने की संभावना के बाद सुप्रीम कोर्ट में जजों की नियुक्ति में केंद्र सरकार के हस्तक्षेप की उम्मीद फिर से पैदा हो गई है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राज्यसभा में राजनीतिक दलों से कहा कि उन्हें जजों की तरफ से जजों की नियुक्ति की व्यवस्था को समाप्त करने के लिए एक तंत्र के बारे में सोचना चाहिए। धनखड़ ने कानून को रद्द करने के शीर्ष अदालत के फैसले को गलत बताया। उन्होंने वर्ष 2014 में सर्वसम्मति से बनाए गए राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग अधिनियम को दूरदर्शी कदम बताया। इसका उद्देश्य एससी और एचसी के न्यायाधीशों की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के एकाधिकार को समाप्त करना था। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खडग़े और टीएमसी के सुखेंदु शेखर रॉय सहित विपक्षी नेताओं ने सरकार से उन कदमों की रूपरेखा तैयार करने को कहा है जो वह उठाना चाहती है। जज कैशकांड के बाद सुप्रीम कोर्ट की फजीहत दो कारणों से हो रही है। न्यायिक नियुक्ति आयोग को रद्द करने और जस्टिस वर्मा का तबादला इलाहाबाद हाईकोर्ट में करने से। आयोग को रद्द करने पर उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति धनखड़ द्वारा राजनीतिक दलों की बैठक के दौरान सुप्रीम कोर्ट के न्यायिक आयोग को निरस्त करने के फैसले की तीखी भत्र्सना की गई। दूसरी तरफ इलाहाबाद हाइकोर्ट बार एसोसिएशन ने जस्टिस यशवंत वर्मा के तबादले का विरोध किया है। एसोसिएशन ने हड़ताल के अलावा जस्टिस वर्मा की कोर्ट के बहिष्कार की चेतावनी दी है। जस्टिस वर्मा प्रकरण के बाद सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम द्वारा हाईकोर्ट के जजों की नियुक्ति प्रक्रिया पर फिर से उंगलियां उठने लगी हैं। न्यायपालिका में जजों की नियुक्ति में पारदर्शिता नहीं होने और इनमें परिवारवाद को वरीयता दिए जाने को 'अंकल जज सिंड्रोम' कहते हैं। जब जज बनाने के लिए अधिवक्ताओं के नाम प्रस्तावित किए जाते हैं तो किसी भी स्तर पर किसी से कोई राय नहीं ली जाती। ऐसे में जिन लोगों का नाम प्रस्तावित किया जाता है, उनमें से कई पूर्व न्यायाधीशों के परिवार से होते हैं या उनके संबंधी होते हैं। भारतीय विधि आयोग ने अपनी 230वीं रिपोर्ट में उच्च न्यायालयों में 'अंकल जजों' की नियुक्ति के मामले का उल्लेख किया है, जिसमें कहा गया है कि जिन जजों के परिजन किसी उच्च न्यायालय में वकालत कर रहे हैं, उन्हें उसी उच्च न्यायालय में नियुक्त नहीं किया जाना चाहिए। विवादों में घिरे जस्टिस वर्मा का अकेला मामला नहीं है, जिससे सुप्रीम कोर्ट के समक्ष परेशानी खड़ी हुई है। पूर्व में हाईकोर्ट के जजों के खिलाफ इस तरह के मामले सामने आते रहे हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस शेखर कुमार यादव पिछले दिनों विश्व हिंदू परिषद के कार्यक्रम में बयानबाजी को लेकर चर्चा में रहे। सुप्रीम कोर्ट ने उनके बयान को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट से पूरी जानकारी मांगी, वहीं संसद में उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की मांग ने जोर पकड़ा। जस्टिस वी. रामास्वामी पहले न्यायाधीश थे जिनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू की गई थी। उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव 1993 में लोकसभा में लाया गया था। लेकिन यह प्रस्ताव गिर गया था क्योंकि उसे जरूरी दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं हो सका। जस्टिस रामास्वामी 1990 में पंजाब और हरियाणा के मुख्य न्यायाधीश थे। तब उन पर आधिकारिक तौर पर अलॉट किए गए घर पर कब्जा किए जाने का आरोप लगा था। कलकत्ता हाईकोर्ट के जस्टिस सौमित्र सेन देश के दूसरे जज थे जिन्हें महाभियोग का सामना करना पड़ा था। उनके खिलाफ 2011 में राज्यसभा द्वारा महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था। जस्टिस सौमित्र सेन ने महाभियोग चलाए जाने के बाद तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा देवी पाटिल को अपना इस्तीफा भेज दिया था।

कुछ अलग

यह पैसे मेरे नहीं हैं...

मी लॉर्ड! यह जो मेरे घर में बोरियों में नोट मिले हैं, यह मेरे नहीं हैं। मैं खुद हैरान हूं कि इतने सारे नोट मेरे घर में कहां से आ गए और कब से जमा होते चले गए। मैं तो अपना कर्म कर रहा था। सरकारी कुर्सी पर बैठकर अपना धर्म निभा रहा था। मैं कर्म करता गया और बोरियों में नोट भरते गए। यह कैसे होता गया, मेरी समझ से परे है। मी लॉर्ड, शायद यह आपकी समझ से भी बाहर होगा और इसे आप ईश्वर का चमत्कार भी कह सकते हैं। और चमत्कार को नमस्कार करना ही पड़ता है। मैं हैरान और परेशान होते हुए भी इस चमत्कार को स्वीकार कर रहा हूं, लेकिन साथ ही यह भी सोच रहा हूं कि मेरे कर्मों पर ईश्वर इतना मेहरबान कैसे हो गया! मुझे याद है, बचपन में जब भी मैं गरीबों को दान देता था, तो मां कहती थी- 'बेटा, जो देता है, भगवान उसे दस गुना लौटाता है!' शायद वही बात सच हो गई। मैंने अपने जीवन में जो छोटे-मोटे दान-पुण्य किए होंगे, ईश्वर ने उनका इतना बड़ा हिसाब जोड़ दिया कि बोरियों में भर-भरकर नोट मेरे घर आ गए। अब यह मेरी गलती नहीं है कि भगवान को गणित कमजोर आता है और वह दस गुना के बजाय हजार गुना लौटा रहे हैं! मी लॉर्ड, बोरी में नोट मिले हैं, लेकिन यह कब और कैसे आए, मैंने नहीं देखा। पर ईश्वर ने तो सब देखा है। ईश्वर ने इस ब्रह्मांड में हर जगह सीसीटीवी कैमरे फिट कर रखे हैं। इन कैमरों का कनेक्शन सीधे ईश्वर के पास है। हां, मेरा ईश्वर से कोई डायरेक्ट लिंक नहीं है, लेकिन शायद किसी नेटवर्क गड़बड़ी के कारण मेरे हिस्से के कर्मों का फल अचानक कैश में बदलकर मेरे घर में पहुंच गया। अब देखिए, ईश्वर जब मेहरबान होता है, तो किसी को कर्मों का फल वोटों के रूप में मिलता है और वह चुनाव जीतकर बड़ी कुर्सी पर बैठ जाता है और दुनिया पर राज करता है। लेकिन ईश्वर ने मेरे कर्मों का पूरा हिसाब-किताब देखने के बाद शायद मुझे नेता बनने लायक नहीं समझा। इसलिए न तो उसने किसी राजनीतिक दल का टिकट दिलवाया और न ही चुनाव जितवाया। इसके बजाय, उसने मेरे भाग्य का दरवाजा अलग अंदाज में खोला और कैश के रूप में मुझे आशीर्वाद दे दिया। लेकिन मी लॉर्ड, मेरे मन में कुछ संदेह भी उठ रहे हैं। अगर यह पैसे मेरे हैं ही नहीं, तो फिर मेरे घर में आए कैसे? कोई और भी तो इन्हें रख सकता है! मैं एक सच्चा, ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी हूं। सरकारी कुर्सी पर बैठकर मैंने दिन-रात मेहनत की, फाइलों पर हस्ताक्षर किए, बजट पास किए, टेंडर मंजूर किए, और कानून का पूरा पालन किया। फिर भी अगर मेरे घर में नोटों की बोरियां निकल आई हैं, तो इसमें मेरा क्या दोष? मी लॉर्ड, मैंने कभी भी नोट बोरियों में नहीं लिए। लेन-देन के कई आधुनिक और सुविधाजनक तरीके मौजूद हैं- डिजिटल पेमैंट, बैंक ट्रांसफर, बिटकॉइन, हवाला! मैं अपनी कीमती चीजें लॉकर में रखता हूं, बेड बॉक्स के भीतर छिपाता हूं। कुछ चीजें तो मैं ऐसी जगह रखता हूं कि मेरी पत्नी तक को नहीं पता चलता। फिर ये बोरियों वाली बात कहां से आई। अब सवाल यह उठता है कि बोरियों में कौन नोट रख गया? यह सवाल लाख टके का है। मेरा मानना है कि इसमें दो संभावनाएं हैं : 1. या तो मेरे पूर्वजों की आत्माएं यह सोचकर चली गई थीं कि मेरे लिए कुछ छोडक़र जाना चाहिए और उन्होंने अपनी दुनिया से इसे मेरे घर में ट्रांसफर कर दिया। 2. या फिर हो सकता है कि मेरी पत्नी ने घर की सफाई करते हुए किसी पुराने संदूक को खोल दिया हो और उसमें से यह धनवर्षा हो गई हो। मी लॉर्ड, मैं तो यही कहूंगा- यह पैसे मेरे नहीं हैं। अगर यह मेरे होते, तो किसी बैंक में जमा होते, किसी निवेश योजना में डले होते, या कम से कम मेरी तिजोरी में होते। मगर बोरियों में पड़े मिलें, यह किसी शरारती तत्व की साजिश ही हो सकती है। इसलिए मी लॉर्ड, आपसे करबद्ध प्रार्थना है कि मेरी बेगुनाही पर भरोसा करें और इस रहस्य की जांच करवाएं।

देश दुनीया से

टीआरपी की भेड़चाल से हुआ अन्याय

इस लड़की पर आरोप क्या लगे थे, इसे अपराधी बना दिया गया था। चार-चार एजेंसियां इसके पीछे लगी थीं। रिया के घर के बाहर मीडिया का भारी जमावड़ा कई दिनों तक लगा रहा। हर कोई ऊंची से ऊंची आवाज में उसे अपराधी साबित करने पर तुला था। आरोप लगने भर से उसे अपराधी मान लिया गया था। चैनल्स के लोग बाहर खड़े किस-किस तरह के अपशब्द बोल रहे थे। अरे रिया बाहर निकल। कहां छिपी है। सुशांत को खा गई। उसके पैसे के लिए उसे मार डाला। बहुत-सी तो ऐसी बातें जो लिखी भी नहीं जा सकतीं। लेकिन सरेआम बोलने वालों को कोई शर्म नहीं आ रही थी। यह देखकर भी हैरत होती है कि कोई भी स्त्रीवादी उस समय रिया के समर्थन में नहीं बोला था। न ही कोई उसकी मदद के लिए सामने आया था। महिला आयोग भी चुप्पी साधे रहे थे। क्या रिया लड़की नहीं थी। उसके कोई अधिकार भी नहीं थे। रिया के पिता जो सेना में डाक्टर रहे हैं, उन्होंने उस वक्त कहा भी था कि एक मध्यवर्गीय परिवार को नष्ट कर दिया गया है। उसकी मां बीमार पड़ गई थीं। उस बहुमंजिली सोसायटी में रहने वाले अड़ोसी-पड़ोसी की नजरों में उसका सम्मान नष्ट कर दिया गया था। रही-सही कसर इन आरोपों ने भी पूरी कर दी थी कि सुशांत को हाल ही में पंद्रह करोड़ रुपये मिले थे। शायद रिया ने वे भी हड़प लिए। उस पर ड्रग सप्लाई करने के भी आरोप लगाए गए थे। चारों तरफ से इतने हमले हो रहे थे। जो फिल्में रिया ने साइन की थीं, उनसे उसे निकाल दिया गया था। वह जैसे इस निर्मम दुनिया का सामना करने के लिए अकेली थी। अकेली ही उसे उन सभी आरोपों का सामना करना पड़ रहा था जिनके लिए वह जिम्मेदार भी नहीं थी। बाद में यह भी पता चला था कि सुशांत ने जो पंद्रह करोड़ रुपये मिलने की बात अपने घर वालों को बताई थी, वे रुपये कभी उसके अकाउंट में आए ही नहीं थे। कई चैनलों ने हफ्तों तक इस मामले को तूल दिया था और बहुत हल्ला मचाया था। सुशांत की पूर्व महिला मित्र भी मीडिया में आकर रात-दिन बयान दे रही थी कि वह आत्महत्या तो कर ही नहीं सकता। वह इतना कमजोर लड़का नहीं था। हालांकि, यह बात भी सामने आई थी कि सुशांत को गहरा अवसाद था। इसकी वजह यह भी बताई गई थी कि चूंकि वह फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं है, इसलिए अच्छा काम करने के बावजूद, रोल्स में उसे प्राथमिकता नहीं मिलती है। सुशांत की मृत्यु ने बिहार के लोगों को भी उद्वेलित किया था। वे इसे अपने सम्मान का मामला मानने लगे थे। जो भी हो, इस पूरे मामले में पांच साल पहले मीडिया के एक वर्ग ने रिया को खलनायिका साबित कर दिया था। इस तरह के मीडिया ट्रायल का सामना इससे पहले शायद किसी युवा अभिनेत्री ने नहीं किया था। एक लड़की का अच्छा भला करिअर, उसकी प्रतिष्ठा, सब बर्बाद कर दी गई थी। सिर्फ रिया ही क्यों, उसके पूरे परिवार ने इस दौरान क्या-क्या नहीं झेला होगा। वैसे भी भारतीय समाज में तो लड़की पर एक उंगली उठी नहीं कि वह खलनायिका बनी नहीं। फिर उसे कहीं से कोई माफी नहीं मिलती। उंगली उठाने वाला चाहे संसार का सबसे बड़ा अपराधी ही क्यों न हो, मगर क्योंकि वह उंगली लड़की की तरफ उठी है, तो उसे अपराधी मान ही लिया जाएगा। वैसे भी आरोपी को अपराधी बनाना और लगातार मीडिया बैशिंग तथाकथित स्वतंत्र चैनल्स का बड़ा भारी शौक भी है। बाद में जिसको लगातार अपराधी बनाया गया, उसे अदालत ने बरी भी कर दिया तो चैनल्स कभी शर्मिंदा नहीं होते। न ही अपने किए पर पश्चाताप करते हैं या माफी मांगते हैं। जिस फिल्म इंडस्ट्री में कोई किसी का सगा नहीं, वहां भला रिया को बचाने आता भी कौन। उसने पूरी लड़ाई अपने परिवार के साथ अकेले ही लड़ी। और इसके लिए उसकी तारीफ की जानी चाहिए। अक्सर नेगेटिव पब्लिसिटी के बारे में कहा जाता है कि वह रातोरात आपको घर-घर में लोकप्रिय कर देती है। लोग बात तो भूल जाते हैं मगर चेहरे को याद रखते हैं। एक बार मशहूर अभिनेत्री और फिल्मकार महेश भट्ट की बेटी पूजा भट्ट ने कहा था कि कोशिश करनी चाहिए कि ज्यादा से ज्यादा नेगेटिव पब्लिसिटी हो। इससे किसी हीरो-हीरोइन को स्थापित होने में मदद मिलती है। पूजा भट्ट शायद बिना किसी मुसीबत के नेगेटिव पब्लिसिटी को झेल सकती थीं, क्योंकि वह महेश भट्ट की बेटी थीं।

फिल्मी बैकग्राउंड से होने का लाभ भी था। लेकिन रिया जैसी साधारण लड़कियों के लिए तो हत्या जैसे अपराध के मामले में आरोपी बना दिया जाना एक बहुत बड़ी मुसीबत की तरह था। रही-सही कसर मीडिया ने पूरी कर दी थी। उस समय भी इस लेखिका ने अपने इसी अखबार में लिखा था कि यदि रिया पर कोई आरोप साबित नहीं हुआ, तो क्या वे लोग, जो रात-दिन उसे अपराधी साबित कर रहे हैं, माफी मांगेंगे। हुआ भी यही। सीबीआई ने केस बंद कर दिया। रिया के खिलाफ कोई आरोप साबित तक नहीं हुआ। तब भी उसने बार-बार कहा था कि न वह घटनास्थल पर मौजूद थी, न ही कई दिनों से सुशांत से उसकी बातचीत हुई थी। लेकिन उस समय तो सारे ज्ञानी यही कह रहे थे कि पकड़े जाने पर हर अपराधी अपने को निर्दोष ही बताता है। कहने का अर्थ यह कि आज रिया आरोपमुक्त हो चुकी है। हालांकि हाल ही में सुशांत राजपूत की मैनेजर दिशा सालियान की आत्महत्या के मामले में उनके पिता ने मुम्बई हाईकोर्ट में अपील दायर की है। जिसमें मांग की गई है कि उनकी बेटी के मामले पर फिर से विचार किया जाए। इसमें उन्होंने रिया चक्रवर्ती का नाम भी लिया है। लेकिन लगता है कि इस मामले में भी रिया निर्दोष ही साबित होगी। बहुत झेल लिया इस लड़की ने। अब तो उसे मुक्ति दो। किसी लड़की की किसी से दोस्ती हो और वह लड़का आत्महत्या कर ले, तो जब तक प्रमाण लड़की के खिलाफ न हों मीडिया को इस तरह शिकारी की भूमिका निभानी नहीं चाहिए कि लड़की का जीवन ही बर्बाद हो जाए। न्याय की बात टीआरपी को एक किनारे रखकर की जाए तो बेहतर है।

आप का नजरीया

लोकसभा की मर्यादा का रखें ध्यान

आश्चर्यजनक बात है कि लंबे समय तक सत्ता में रही कांग्रेस के नेता संसदीय परंपराओं एवं नियमावली से अनभिज्ञ हैं। ऐसा भी हो सकता है कि वे जानबूझकर नियमों की अनदेखी करते हों। जैसा भी हो, लेकिन यह ठीक नहीं कि अपनी अनभिज्ञता या जानबूझकर की गई अनदेखी के लिए संसदीय आसंदी पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए जाएं। कांग्रेस के पोस्टर बॉय एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक बार फिर आरोप लगाया है कि उन्हें संसद में बोलने नहीं दिया जाता है। उनका माइक बंद कर दिया जाता है। उनका आरोप है कि वे जब भी सदन में कुछ कहने के लिए उठते हैं, लोकसभा अध्यक्ष उन्हें बोलने नहीं देते हैं। राहुल गांधी के यह आरोप बचकाने हैं। उनके आरोप वास्तविकता से भी मेल नहीं खाते हैं। देश ने देखा है कि संसद में राहुल गांधी को बोलने का पूरा अवसर दिया जाता है। यहाँ तक कि कई बार अध्यक्ष ने उन्हें अतिरिक्त समय भी दिया है। संसद में उनके ही भाषणों पर कई बार विवाद भी हुआ है, जो इस बात का साक्षी है कि उन्होंने खुलकर अपने मन की बात सदन में रखी थी। राहुल गांधी के आरोपों के बाद लगभग 70 सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात की है। संभवतः उनकी चिंता रही होगी कि कोई भी सांसद इस प्रकार संसदीय परंपरा और व्यवस्था के संबंध में भ्रम का वातावरण खड़ा नहीं कर सकता है। याद हो कि लोकसभा के अध्यक्ष कई बार राहुल गांधी को समझाइश दे चुके हैं लेकिन कांग्रेस के नेता अपने आचरण में किसी भी प्रकार का सुधार लाना ही नहीं चाह रहे हैं। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी के उक्त आरोपों से पहले ही बुधवार को सदन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को खरी-खरी सुनाई थी। जब सदन की कार्यवाही चल रही थी उसी दौरान अध्यक्ष ने कांग्रेस सदस्यों को रोकते हुए राहुल को लेकर टिप्पणी की। बिरला अपनी टिप

युवाओं की प्रतिभा को निखारने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि फिटनेस केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि हमारे जीवन की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने फिट राजस्थान अभियान शुरू करने का संकल्प लिया था, *रन फॉर फिट राजस्थान* इसी संकल्प का प्रतीक है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि देश में युवा, महिला, किसान और मजदूर सशक्त होंगे तो देश-प्रदेश भी सशक्त होंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार द्वारा राजस्थान दिवस महोत्सव के तहत महिला, किसान, अन्त्योदय, युवा एवं सुशासन को समर्पित कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। शर्मा ने राजस्थान दिवस समारोह के तहत आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में शनिवार को रन फॉर फिट राजस्थान दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा स्वयं भी दौड़ में शामिल होकर प्रदेशवासियों को स्वस्थ रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर खिलाड़ी को पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाने तथा उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए हमने वर्ष 2024-25 में 1614 खिलाड़ियों को 34 करोड़ रुपए की सहायता स्वीकृत की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेताओं को नकद पुरस्कार के साथ भूखंड आवंटन, सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता और रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। स्पोर्ट्स लाइफ इंश्योरेंस स्कीम से खिलाड़ियों को सुरक्षा कवच भी दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मिशन ओलंपिक-2028 के तहत 50 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण दिया जाएगा और जयपुर में 20 करोड़ की लागत से *सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्पोर्ट्स* की स्थापना की जाएगी। शर्मा ने कहा कि सात चरणों में हुए राजस्थान के एकीकरण की यात्रा में चौथे चरण में वृहद राजस्थान की स्थापना एक महत्वपूर्ण पड़ाव था, जिसकी यादों को चिरस्थायी बनाए रखने के लिए हर साल राजस्थान दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि वृहद राजस्थान की स्थापना संवत 2006 की चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को रेवती नक्षत्र इंद्रयोग में हुई थी, जिसे राजस्थान के एकीकरण में अहम भूमिका निभाने वाले लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने विशेष महत्व दिया था। उनकी और समस्त प्रदेशवासियों की भावना को सम्मान देते हुए राज्य सरकार ने अब हर साल चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर ही राजस्थान दिवस मनाने का निर्णय किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान का खेलकूद के क्षेत्र में गौरवपूर्ण इतिहास रहा है। कई खेलों में हमारे खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रदेश की पताका लहराई है। पेरिस ओलंपिक में अनंतजीत सिंह व महेश्वरी चौहान ने निशानेबाजी में हिस्सा लिया। पेरिस पैरालंपिक में अवनी लेखरा ने स्वर्ण, सुंदर सिंह गुर्जर और मोना अग्रवाल ने कांस्य पदक जीतकर प्रदेश को गर्व का अवसर दिया। उन्होंने कहा कि 38वें राष्ट्रीय खेलों में हमारे खिलाड़ियों ने 43 पदक हासिल किए। ये उपलब्धियां हमारे युवाओं की प्रतिभा का प्रमाण हैं। इस अवसर पर युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि जीवन में फिटनेस का बहुत महत्व है। स्वस्थ नागरिक से ही स्वस्थ समाज का निर्माण होता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अपनी योजनाओं और निर्णयों के माध्यम से प्रदेश में खेल और खिलाड़ियों को निरन्तर प्रोत्साहित कर रही है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड में संपन्न राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया तथा नौ खिलाड़ियों को जमीन आवंटन के पट्टे वितरित किए। कार्यक्रम में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, प्रमुख शासन सचिव राजस्व दिनेश कुमार, शासन सचिव खेल एवं युवा मामले नीरज के. पवन, 61 सब एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल रोहित मेहरोत्रा सहित विभिन्न खिलाड़ी, स्कूली छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट की पूर्व जज रिश्वत कांड में हुई बरी

सीबीआई कोर्ट ने 17 साल बाद सुनाया फैसला

चंडीगढ़ (हिंस)। सीबीआई कोर्ट ने करीब दो दशक पुराने बहुचर्चित जज नोटकांड में फैसला सुनाते हुए तत्कालीन जस्टिस निर्मल यादव समेत सभी आरोपियों को बरी कर दिया। शनिवार को यह फैसला चंडीगढ़ सीबीआई कोर्ट की विशेष जज अलका मलिक ने सुनाया। यह पूरा मामला वर्ष 2008 का है। हाईकोर्ट की जज रहीं जस्टिस निर्मलजीत कौर के घर गलती से रिश्वत के 15 लाख रुपए पहुंच गए थे। सीबीआई ने दावा किया था कि यह रकम जस्टिस निर्मल यादव के लिए थी। जस्टिस निर्मलजीत कौर के चपरासी अमरीक सिंह ने 13 अगस्त 2008 को हुए इस वाकए की शिकायत दी थी। अमरीक के मुताबिक अतिरिक्त महाधिवक्ता संजीव बंसल का मुंशी प्रकाश राम उनके घर प्लास्टिक बैग में यह रकम लेकर पहुंचा था। उसने कहा था कि दिल्ली से कुछ पेपर्स आए हैं, जो डिलीवर करने हैं। बैग में 15 लाख रुपए थे। नाम की गलती के चलते अतिरिक्त महाधिवक्ता संजीव बंसल का मुंशी प्रकाश राम पैसे लेकर हाईकोर्ट की न्यायाधीश निर्मलजीत कौर की कोठी पर चला गया था। चंडीगढ़ पुलिस ने मामले में हाईकोर्ट की जस्टिस निर्मल यादव समेत पूर्व एडिशनल एडवोकेट जनरल संजीव बंसल, बिल्डर राजीव गुप्ता, दिल्ली के बिजनेसमैन रविंदर सिंह भसीन और निर्मल सिंह के खिलाफ भ्रष्टाचार का

मामला दर्ज किया था। केस की गंभीरता को देखते हुए सीबीआई को इसकी जांच सौंपी गई। जिसके बाद 2009 में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट से उनका ट्रांसफर हो गया था। सीबीआई ने जांच के बाद कहा था कि जस्टिस निर्मल यादव समेत अन्यों पर आपराधिक केस बनता है। जस्टिस निर्मल यादव के खिलाफ मार्च 2011 में जब सीबीआई ने चार्जशीट दायर की थी तो वह उत्तराखंड हाईकोर्ट की जज थीं। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस यादव की ट्रायल पर रोक लगाने की अर्जी को रद्द करते हुए ट्रायल में देरी पैदा करने के लिए उन्हें फटकार लगाई थी।

हरियाणा सरकार ने बैन किए पांच गीत

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार ने बीते 24 घंटे में पांच गीतों को यू-ट्यूब पर बैन कर दिया है। हरियाणा सरकार की इस कार्रवाई की जहां चौतरफा प्रशंसा हो रही है तो वहीं गायक इसका विरोध कर रहे हैं। प्रदेश सरकार के मंत्री और विधायक अलग-थलग पड़े हुए हैं। हरियाणा विधानसभा में बजट सत्र के अंतिम दिन शुक्रवार को विधायक कुलदीप वत्स ने हरियाणवी गीतों को बैन करने का मुद्दा उठाया था। शुक्रवार को प्रदेश के कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा तथा कृष्ण बेदी ने गायकों के समर्थन में बयान दिया था। इसके बावजूद शुक्रवार व शनिवार को सरकार ने पांच गीतों को बैन कर दिया। जिन कलाकारों के गीतों को यूट्यूब से हटाया गया है उनमें इनमें मासूम शर्मा, सुमित पारता, अमित सैनी रोहतकिया, हर्ष संधु और राज मावर के गाने शामिल हैं। दो गीतों में हरियाणवी स्टार प्रांजल दहिया ने एक्टिंग की थी। सरकार अब तक 14 गाने यू-ट्यूब से हटा चुकी है। सरकार ने शुक्रवार और शनिवार को अमित सैनी रोहतकिया का एफिडेविट, मासूम शर्मा का दो बंदे, सुमित पारता का पिस्तौल, हर्ष संधु का बंदूक और राज मावर व मनीषा शर्मा का बदमाशी गाने को बैन किया है। राज मावर के गानों में प्रांजल दहिया ने एक्टिंग की है। गानों के यू-ट्यूब से हटाए जाने के बाद हरियाणवी इंडस्ट्री में हड़कंप मचा हुआ है। सुमित पारता के पिस्तौल गाने को जैसे ही सरकार की पॉलिसी का हवाला देते हुए हटाने का ऑप्शन आया तभी सिंगर ने अपनी टेक्निकल टीम की मदद से उस गाने की जगह दूसरे गाने को रिप्लेस कर दिया। अब सुमित का पिस्तौल गाना सर्च करने पर उसकी जगह दूसरा गाना आ रहा है। यह पूरा विवाद लोक गायक मासूम शर्मा तथा लोक गायक एवं सीएम के प्रचार ओएसडी गजेंद्र फौगाट की बयानबाजी के बाद शुरू हुआ है।

सूर्यनगरी में आज सजेगा राजस्थानी साहित्य का महाकुंभ

जोधपुर (हिंस)। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के राजस्थानी विभाग की स्थापना का स्वर्ण जयंती समारोह राजस्थानी विभाग एवं महाराजा मानसिंह पुस्तक प्रकाश शोध केंद्र मेहरानगढ़ के सयुंक्त तत्वावधान में 30 व 31 मार्च को केंद्रीय कार्यालय स्थित बृहस्पति सभागार में सुबह दस से शाम पांच बजे तक उजास उच्छब के रूप में समारोहपूर्वक मनाया जाएगा। संगोष्ठी संयोजक डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित ने बताया कि केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत के आतिथ्य में आयोजित होने वाले उद्घाटन समारोह में राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति डॉ. पुष्पेन्द्रसिंह भाटी मुख्य अतिथि एवं ख्यातनाम कवि-आलोचक प्रोफेसर (डॉ.) अर्जुनदेव चारण सारस्वत अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। जेएनवीयू के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) अजीत कुमार कर्नाटक उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करेंगे। स्वर्ण जयंती समारोह के अंतर्गत आयोजित राष्ट्रीय राजस्थानी संगोष्ठी में राजस्थानी भाषा-साहित्य एवं संस्कृति विषयक पांच साहित्यिक सत्र होंगे जिसमें प्रतिष्ठित रचनाकार डॉ. मंगत बादल, जहूर खां मेहर, डॉ. चांदकौर जोशी, डॉ. राजेश कुमार व्यास एवं डॉ. मदन सैनी विभिन्न सत्रों की अध्यक्षता करेंगे। दो दिवसीय राष्ट्रीय राजस्थानी संगोष्ठी के प्रथम सत्र में डॉ. इन्द्रदान चारण राजस्थानी विभाग री थापना अर विगसाव, डॉ. लक्ष्मीकांत व्यास राजस्थानी भाषा रौ उदभव अर विकास, डॉ. दिनेश चारण राजस्थानी भाषा रौ कालगत विवेचन तथा डॉ. मदनसिंह राठौड़ राजस्थानी भाषा रै विकास में तत्कालीन रियासता रौ योगदान विषय पर आलोचनात्मक आलेख प्रस्तुत करेंगे। द्वितीय साहित्यिक सत्र में डॉ. सत्यनारायण सोनी समकालीन राजस्थानी साहित्य: दसा अर दिसा, डॉ. सुरेश सालवी राजस्थानी लोक साहित्य री उपादेयता, डॉ. मदन गोपाल लढा राजस्थानी साहित्यिक पत्रकारिता री विकास जात्रा तथा डॉ. रामरतन लटियाल समकालीन राजस्थानी आलोचना: अेक विरोळ विषय पर आलोचनात्मक आलेख प्रस्तुत करेंगे। सत्र संयोजन महेन्द्रसिंह छायण करेंगे। तृतीय साहित्यिक सत्र में राष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ. चांदकौर जोशी की अध्यक्षता में आयोजित महिला सत्र के अंतर्गत राजस्थानी रचनाकार किरण बादल समकालीन राजस्थानी बाल साहित्य, डॉ. रीना मेनारिया राजस्थानी सबदकोस परंपरा: अेकदीठ, संतोष चौधरी समकालीन राजस्थानी महिला लेखन एवं शकुंतला पालीवाल समकालीन राजस्थानी युवा लेखन पर आलोचनात्मक आलेख प्रस्तुत करेंगे। सत्र संयोजन तरनीजा मोहन राठौड़ का होगा। चतुर्थ साहित्यिक सत्र में डॉ. कृष्ण कुमार आशु राजस्थानी डायरी लेखन: अेक दीठ, डॉ. गौतम अरोड़ा सोशियल मीडिया में राजस्थानी भासा-साहित्य रौ प्रभाव, शिवबोधि समकालीन राजस्थानी दलित लेखन, नरेंद्र नारायण किराड़ू राजस्थानी अनुवाद साहित्य विषय पर आलोचनात्मक आलेख प्रस्तुत करेंगे। पुस्तकों का लोकार्पण व प्रदर्शनी राष्ट्रीय संगोष्ठी में गजेसिंह राजपुरोहित लिखित आलोचना पुस्तक राजस्थानी सिरजण री साख, डॉ. महेन्द्रसिंह तंवर द्वारा लिखित ओरण ऑफ वेस्टर्न राजस्थान, ओम नागर लिखित लॉकडाउन डायरी मड़ाई, मीनाक्षी बोराणा संपादित राजस्थानी व्याख्यानमाला गुमेज एवं धनंजया अमरावत लिखित राजस्थानी विनिबंध सांयाजी झूला का लोकार्पण किया जाएगा। राष्ट्रीय संगोष्ठी में हेरिटेज साफा हाऊस जोधपुर के निर्देशक चनणसिंह इंदा द्वारा राजस्थानी पाग-पगड़ी एवं राजस्थानी ग्रंथागार के निर्देशक मनीष सिंघवी तथा सूर्य प्रकाशन मंदिर बीकानेर द्वारा राजस्थानी पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इस दो दिवसीय गरिमामय साहित्यिक-सांस्कृतिक आयोजन के अंतर्गत प्रदेश के दस प्रतिष्ठित राजस्थानी रचनाकारों को मायड़ भासा सेवा सम्मान प्रदान करने के साथ ही राजस्थानी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर कल्याणसिंह शेखावत एवं विभाग से पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने वाले शोछ छात्रों का सम्मान भी किया जाएगा।

गुजरात मॉडल को राजस्थान सरकार मानती है फेल : अशोक गहलोत

जयपुर (हिंस)। प्रदेश की भजनलाल सरकार ने कांग्रेस सरकार में गठित तीन नगर निगमों और 12 नगर पालिकाओं को निरस्त कर फिर से ग्राम पंचायत में बदल दिया है। इन सभी नगर पालिकाओं का गठन जनजातीय उप योजना क्षेत्र में किया गया था। इस मामले पर पूर्व सीएम व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने राजस्थान की भाजपा सरकार पर तंज कसा है। गहलोत ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि देश में संभवत: पहला उदाहरण होगा जिसमें विकास के क्रम में भजनलाल सरकार उल्टी दिशा में चल रही है। उन्होंने लिखा कि जनवरी 2025 में गुजरात सरकार ने वहां नगर निगमों की संख्या बढ़ाते हुए नौ नए नगर निगम बनाए। इसकी वजह शहरी विकास को तेज करना बताया गया। गुजरात मॉडल को भाजपा सरकारें आदर्श मानती हैं। परंतु राजस्थान की भाजपा सरकार इस गुजरात मॉडल को पूरी तरह फेल मानती है। गहलोत ने लिखा कि इसलिए ही यहां सुनियोजित शहरी विकास के लिए जनसंख्या के अनुपात में हमारी सरकार के दौरान बनाए गए नगर निगमों, नगर पालिकाओं की संख्या को घटाया जा रहा है। ऐसा देश में संभवत: पहला उदाहरण होगा जिसमें विकास के क्रम में सरकार उल्टी दिशा में चल रही है।

अखिलेश ने गौमाता के साथ सनातन संस्कृति व योगेश्वर श्रीकृष्ण का किया अपमान : श्याम बिहारी गुप्ता

झांसी (हिंस)। गौमाता को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री व सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा की गई आपत्तिजनक टिप्पणी भाजपा पर बदबू पसंद ओर हमको खुशबू पसंद है इसलिए पार्क बनवाये थे। इस बयान पर शनिवार को गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राज्यमंत्री श्याम बिहारी गुप्ता ने मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को अज्ञानी बताया। कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सनातन धर्म यदुवंशी योगेश्वर श्रीकृष्ण व गौ माता का, अपमान किया है। इसका जवाब उन्हें जनता देती आ रही है और 2027 में फिर देगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा गौशालाओं और गोबर को लेकर की गई अमर्यादित टिप्पणी न केवल भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और करोड़ों गौ भक्तों का अपमान है। बल्कि यह भगवान श्रीकृष्ण, नंदबाबा यदुवंश, किसानों, गोपालकों एवं संपूर्ण सनातन की आस्था पर भी आघात है। उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री श्याम बिहारी गुप्ता ने कहा कि गौमाता हमारी परंपरा, आस्था कृषि, स्वास्थ्य समृद्धि और पर्यावरण संतुलन की आधारशिला रही है। गौ सेवा केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। भारत में गौवंश हजारों वर्षों से अर्थव्यवस्था और जीवनशैली का अभिन्न अंग रहा है। भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं गौ सेवा का संदेश दिया। संतों ने गौमाता को पालनहार माना और आज भी लाखों किसान गौआधारित कृषि से अपनी जीविका चला रहे हैं तथा आज पूरे विश्व में रसायन मुक्त जैविक प्राकृतिक खाद्यान्न की मांग है। ऐसे में गौशालाओं को बदबूदार बताकर अखिलेश यादव ने न केवल हिंदू समाज बल्कि पूरे भारतीय लोकाचार

का घोर अपमान किया है। समाजवादी पार्टी को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उनके शासन में गौ संरक्षण के लिए क्या ठोस कदम उठाए गए थे। वास्तविकता यह है कि समाजवादी पार्टी ने कभी भी गौ सेवा को प्राथमिकता नहीं दी। इसके विपरीत, उत्तर प्रदेश की वर्तमान सरकार और गौ सेवा आयोग गौमाता की रक्षा और संवर्धन के लिए पूरी निष्ठा और पारदर्शिता के साथ कार्य कर रहे हैं। राज्य सरकार ने गौशालाओं के लिए बजट बढ़ाया, नई योजनाएं लागू कीं। संरक्षित गोवंश की उचित देखभाल सुनिश्चित की और गौ आधारित कृषि को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ नेता मात्र स्वार्थ की राजनीति के लिए अपने ही पूर्वजों, महापुरुषों और परंपराओं का अपमान करने से नहीं हिचकिचाते। इतिहास गवाह है कि जिन्हें खुश करने के लिए वे सनातन परंपरा पर चोट कर रहे हैं। वे किसी के सगे नहीं होते। हम समाजवादी पार्टी और उनके नेताओं को स्पष्ट शब्दों में चेतावनी देते हैं कि भारतीय संस्कृति, एवं सनातन परंपरा और गौमाता के सम्मान के साथ खिलवाड़ न करें। गौमाता और गौशालाओं का अपमान अब हिंदू समाज सहन नहीं करेगा। उत्तर प्रदेश सरकार और गो सेवा आयोग गौमाता की रक्षा एवं संवर्धन के लिए संकल्पित है। इस अवसर पर उनके साथ मनमोहन गेडा, सौरभ मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने 715 सहायक उर्दू अनुवादकों को दिया नियुक्ति पत्र

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित *संवाद* में आयोजित कार्यक्रम में 715 सहायक उर्दू अनुवादकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि वर्ष 2005 से पहले सहायक उर्दू अनुवादकों के मात्र 449 पद थे जो जरूरत के हिसाब से काफी कम थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2018 में हमारी सरकार ने 1, 204 नये पद स्वीकृत किये, और सहायक उर्दू अनुवादकों की संख्या को बढ़ाकर 1, 653 कर दिया गया। उन्होंने कहा कि इसी के तहत आज 715 सहायक उर्दू अनुवादकों को नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है तथा शेष पदों पर बहाली की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब हमने तय कर दिया कि सहायक उर्दू अनुवादकों के पदों को बढ़ाकर दो गुणा कर दिया जाए। इससे सहायक उर्दू अनुवादकों की संख्या

बढ़कर 3, 306 हो जाएगी। जो सहायक उर्दू अनुवादकों की वर्ष 2005 से पह पहले की संख्या के 7 गुणा से से भी अधिक हो जाएगी। हमने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि खाली पदों एवं नस पदों पर तेजी से बहाली की जाए। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग को धन्यवाद देता हूं। मैं सभी नवनियुक्त सहायक उर्दू अनुवादकों को बधाई एवं शुभकामनायें देता हूं और उम्मीद करता हूं कि सभी अपने कार्यों का बेहतर ढंग से निर्वहन करेंगे।

मैथिली लोक साहित्यक इतिहासकार डॉ. महेंद्र नारायण राम को किया गया सम्मानित

सहरसा (हिंस)। मैथिली अकादमी बिहार के पूर्व अध्यक्ष एवं मैथिली लोक साहित्यक इतिहासकार डॉ. महेंद्र नारायण राम को मैथिली पूर्व मैथिली विभागाध्यक्ष डॉक्टर कुलानंद झा के आवास पर शनिवार को सम्मानित किया गया। डॉक्टर कुलानंद झा ने डॉक्टर राम को पाग चादर एवं पुस्तक देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉक्टर संजय वशिष्ट एवं दिलीप कुमार झा भी उपस्थित रहे। डॉ. राम द्वारा कोंकणी भाषा में दामोदर माउजी लिखित कारमेली पुस्तक का मैथिली अनुवाद किया गया, जिसके कारण उन्हें 2012 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वर्तमान में वे उनकी मैथिली लोक साहित्यक इतिहास पुस्तक का प्रकाशन मैथिली भोजपुरी अकादमी द्वारा प्रकाशित किया गया है। उन्हें अब तक मिथिला रत्न, मिथिला विभूति, मैथिली श्री, मिथिला शिरोमणि, साहित्य रत्न, मिथिला गौरव जैसे राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्टार के प्रतिष्ठित मंच पर उपाधि प्रदान किया गया है। उन्होंने अब तक 50 से अधिक मैथिली एवं हिंदी में पुस्तके लिखी है, जिसमें लोक साहित्य पर आधारित एक दर्जन से अधिक पुस्तक प्रकाशित हो चुकी है, जिसके अंतर्गत कविता संग्रह जागि गेल छी, कथा संग्रह मनतोरिया, शोध समीक्षा, मैथिली लोक गाथा,

कारिख परिवार, मैथिली लोकगीत, लोक संदर्भ, लोक दर्शन, दलित दर्शन, भारतीय संस्कृति में जातीय जीवन, लोक साहित्य में दलित विमर्श, पंजी प्रथा, मिथिला अमर्त्य संस्कृति, डाक वचन, लोक भजन, दीना भद्री लोक गाथा, सलहेस लोक गाथा, भगैत गहबर गीत, मैथिली लोक साहित्य इतिहास जैसे अनेक पुस्तकों की रचनाकर अमूल्य निधि समाज को सौंपी है । उन्हें अब तक रंग साहित्य सम्मान, हिंदी विशिष्ट सेवा सम्मान नेपाल, लोक साहित्य सम्मान, मलंगिया सम्मान, लक्ष्मीनाथ गोसाई सम्मान, किरण विशिष्ट अतिथि सम्मान, बाबा यात्री अतिथि, अध्यक्ष सम्मान, उच्चैठ कालिदास सम्मान, भोला पासवान शास्त्री राष्ट्रीय शिखर सम्मान सहित अनेक सम्मान से सम्मानित किया जा चुका हैं।

बिहार के पूर्वी चंपारण में नौकरी के नाम पर झांसा देने वाले फर्जी मार्केटिंग कंपनियों पर छापेमारी, 400 बच्चे कराए गए मुक्त

पूर्वी चंपारण (हिंस)। बिहार में पूर्वी चंपारण जिला अन्तर्गत भारत-नेपाल सीमा के सीमावर्ती शहर रक्सौल में पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) 47वीं बटालियन ने संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई करते हुए दो फर्जी मार्केटिंग कंपनियों के ठिकानों पर छापेमारी की है। इस दौरान करीब 400 नाबालिग और बालिग युवकों को रेस्क्यू किया गया। एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर रक्सौल एसडीपीओ धीरेन्द्र कुमार और एसएसबी के डिप्टी कमांडेंट दीपक कृष्णा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में एसएसबी व महिला पुलिस बल के जवानो ने इन फर्जी कंपनियों का जालसाजी नेटवर्क को ध्वस्त किया है। इन कंपनियों में बिन मेकर और डीबीआरओ दिनकर एसोसिएट्स शामिल हैं, जो दवा कंपनी और नेटवर्किंग की आड़ में वर्षों से किशोरों और युवकों को नौकरी के नाम पर ठग रही थी। इन कंपनियों का नेटवर्क बिहार, उत्तर प्रदेश, नेपाल, उड़ीसा समेत कई राज्यों तक फैला हुआ है। हर दिन 100 से 500 बच्चों को फॉर्मल ड्रेस में शहर के अलग-अलग इलाकों में देखा जाता था। ये बच्चे नागा रोड, कोइरिया

टोला, ब्लॉक रोड, सैनिक रोड, कौड़ीहार, मौजे आदि इलाकों में प्रतिदिन घूमते नजर आते थे। एसएसबी की मानव तस्करी रोधी इकाई को इस जालसाजी की सूचना मिली थी। सूचना के बाद गुप्त जांच कर बड़े पैमाने पर रेड की योजना बनाई गई। पुलिस और एसएसबी के भारी दल-बल के साथ एक साथ कई ठिकानों पर छापेमारी की गई। इस दौरान चार लड़कियों समेत लगभग 400 सौ बच्चों को मुक्त कराया गया। हालांकि, अब तक कंपनी के संचालको में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने कहा कि नेपाल, उत्तरप्रदेश, बिहार के अन्य जिलों से बच्चों को नौकरी देने के बहाने बुलाया जाता है। बच्चों को बुलाकर बंधक बना कर पैसे भी वसूले जाते थे। सूचना के बाद, रक्सौल पुलिस व एसएसबी के द्वारा छापेमारी कर चार सौ बच्चों को मुक्त कराया गया है। इसमे नाबालिग बच्चें भी शामिल है। वही चार पांच लोगो को गिरफ्तार भी किया गया है। एसडीपीओ धीरेन्द्र कुमार ने कहा कि दवा कंपनी और नेटवर्किंग के नाम पर बच्चों को फंसाया जाता था। हमें धोखाधड़ी और जालसाजी की लगातार शिकायतें मिल रही थीं, जिसके बाद कार्रवाई कर 400 बच्चों को मुक्त कराया गया। आगे दोषियों की पहचान कर विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। एसएसबी के डिप्टी कमांडेंट दीपक कृष्णा ने बताया कि हमें सूचना मिली थी कि नौकरी के नाम पर बच्चों से पैसे लेकर उन्हें ट्रेनिंग दी जा रही थी। कई राज्यों के युवक इन फर्जी कंपनियों के जाल में फंस रहे थे। हमने छापेमारी कर इन बच्चों को बचाया है। इनमें से कई बच्चों से दवा की पैकिंग कराई जा रही थी। स्थानीय समाजिक संगठनो ने बताया कि ये फर्जी कंपनियां वर्षों से संचालित हो रही थी। लेकिन प्रशासनिक निष्क्रियता के कारण ये फल फूल रहे थे। लोगो ने दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। छापेमारी टीम में डीएसपी धीरेंद्र कुमार, एसएसबी 47 बटालियन के असिस्टेंट कमांडेंट नेहा सिंह, दीपक कुमार डिप्टी कमांडेंट, एसएसबी एसी रजक मिश्रा, सीओ शेखर राज मजिस्ट्रेट, पुलिस इंस्पेक्टर राजीव नंदन सिन्हा, सब इंस्पेक्टर एकता कुमारी, नेहा कुमारी, अनीता कुमारी शामिल थे।

बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर फरवरी में घटकर पांच महीने के निचले स्तर पर

पिछले साल इसी महीने में बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 7.1 प्रतिशत रही थी

नई दिल्ली

भारत के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर फरवरी में गिरावट देखी गई है। इस दौरान ये घटकर पांच महीने के निचले स्तर 2.9 प्रतिशत पर आ गई। यह जानकारी हाल ही में जारी किए गए आधिकारिक आंकड़ों से मिली।

पिछले साल इसी महीने में बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 7.1 प्रतिशत रही थी। मासिक आधार पर इन उद्योगों की वृद्धि दर जनवरी में दर्ज 5.1 प्रतिशत की वृद्धि से कम रही।

इससे पहले सितंबर में 2.4 प्रतिशत की न्यूनतम वृद्धि दर्ज की गई थी। फरवरी में कच्चा तेल तथा प्राकृतिक गैस उत्पादन की वृद्धि में गिरावट आई।

कोयला, रिफाइनरी उत्पाद, इस्पात और बिजली की उत्पादन वृद्धि क्रमश: 1.7 प्रतिशत, 0.8 प्रतिशत, 5.6 प्रतिशत और 2.8 प्रतिशत रही। फरवरी 2024 में यह 11.6 प्रतिशत, 2.6 प्रतिशत, 9.4 प्रतिशत और 7.6 प्रतिशत थी। हालांकि, समीक्षाधीन महीने में उर्वरक तथा सीमेंट उत्पादन में क्रमश: 10.2 प्रतिशत और 10.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-फरवरी अवधि में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली की वृद्धि दर 4.4 प्रतिशत रही।

पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की समान अवधि में यह 7.8 प्रतिशत थी। आठ प्रमुख क्षेत्र औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में 40.27 प्रतिशत का योगदान है। आईआईपी समग्र औद्योगिक विकास को मापता है।

न्यूज ब्रीफ

आईजीआईए से विदेश यात्रा करना अब होगा महंगा, 16 अप्रैल से इंटरनेशनल यात्रियों के लिए यूजर डेवलपमेंट फीस बढ़ेगी

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआईए) से विदेश यात्रा करने वालों को अब ज्यादा पैसे खर्च करने होंगे। एयरपोर्ट इकोनॉमिक रेगुलेटरी अथॉरिटी (ऐरा) ने 16 अप्रैल से इंटरनेशनल यात्रियों के लिए यूजर डेवलपमेंट फीस (यूडीएफ) बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। यह शुल्क अब यात्रियों की ट्रैवल क्लास के हिसाब से वेरिएबल यानी अलग-अलग होगा। ऐरा के मुताबिक, घरेलू यात्री आईपीआईए के कुल यात्रियों का 80 फीसदी हिस्सा हैं। ऐसे में चौथे कंट्रोल पीरियड में घरेलू यात्रियों के लिए यूडीएफ को पहले की तरह 129 रुपये पर ही बरकरार रखा गया है। अभी तक घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों पर यूडीएफ एकसमान लगता था, लेकिन अब नए टैरिफ के तहत इंटरनेशनल यात्रियों को अपनी ट्रैवल क्लास के आधार पर ज्यादा शुल्क देना होगा। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से यात्रा करने वाले यात्रियों को अब नई फीस संरचना के तहत ज्यादा यूजर डेवलपमेंट फीस चुकानी होगी। इकॉनॉमी क्लास के यात्रियों से अब प्रस्थान के समय 650 रुपये और आगमन पर 275 रुपये वसूले जाएंगे। वहीं, बिजनेस क्लास में यात्रा करने वालों को प्रस्थान के समय 810 रुपये और आगमन पर 345 रुपये यूडीएफ देना होगा। इसके विपरीत घरेलू उड़ानों पर यूडीएफ की दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। घरेलू यात्रियों से प्रस्थान के समय 129 रुपये और आगमन पर 56 रुपये यूडीएफ वसूला जाता रहेगा। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर विमान लैंडिंग चार्ज में बदलाव किया गया है। अब विमान के आकार के हिसाब से शुल्क तय किए जाएंगे।

एसबीआई की दो स्पेशल एफडी के लिए सिर्फ 2 दिन बाकी, दोनों स्कीम में निवेश की आखिरी तारीख 31 मार्च

नई दिल्ली। देश का प्रमुख बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) फिलहाल एसबीआई 2 ऐसी स्पेशल

एफडी स्कीम- अमृत वृष्टि और अमृत कलश ऑपरेट कर रही हैं, जिसमें जोरदार रिटर्न मिल रहा है। इन दोनों स्कीम में निवेश की आखिरी तारीख 31 मार्च है। एसबीआई की 'अमृत वृष्टि' एफडी स्कीम 16 जुलाई 2024 को शुरू की गई थी और इसमें निवेश करने की आखिरी 31 मार्च 2025 है। इस स्कीम में आप 444 दिन के लिए निवेश कर सकते हैं। आम ग्राहकों के लिए 7.25 फीसदी सालाना और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 7.75 फीसदी सालाना की ब्याज दर दी जाती है। अगर आप इस स्कीम में 2 लाख रुपये निवेश करते हैं तो 444 दिन बाद यानी मैच्योरिटी पर यह रकम बढ़कर 218532 रुपये हो जाएगी यानी आपको 18532 रुपये ब्याज के तौर पर मिलेंगे। वहीं वरिष्ठ नागरिकों को 109936 रुपये मिलेंगे। एसबीआई की 'अमृत कलश' एफडी स्कीम में 400 दिनों के लिए निवेश कर सकते हैं। यह योजना 12 अप्रैल 2023 को शुरू की गई थी और 31 मार्च 2025 तक उपलब्ध है। इसमें आम ग्राहकों के लिए 7.10 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 7.60 फीसदी ब्याज दरें दी जाती हैं। अगर आप इस स्कीम में 2 लाख रुपये निवेश करते हैं तो 400 दिन बाद यानी मैच्योरिटी पर यह रकम बढ़कर 215562 रुपये हो जाएगी यानी आपको 15562 रुपये ब्याज के मिलेंगे। वहीं वरिष्ठ नागरिकों को मैच्योरिटी पर 216658 रुपये मिलेंगे।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हो सकती है इस साल कटौती

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि अगर कच्चे तेल की कीमतें मौजूदा स्तर पर

बनी रहती हैं तो इस साल पेट्रोल और डीजल के दाम घट सकते हैं। गौरतलब है कि 14 मार्च को लोकसभा चुनाव से ठीक पहले पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की कटौती हुई थी। उससे पहले 22 मई 2022 को केंद्र सरकार ने एक्साइज ड्यूटी घटाई थी, जिससे पेट्रोल पर 13 रुपये और डीजल पर 16 रुपये प्रति लीटर की राहत मिली थी। हरदीप पुरी ने कहा कि मैं पूरी गंभीरता से कह सकता हूं कि अगर लोग पूछते हैं कि ईंधन की कीमतें कब और कम होंगी, तो मेरा जवाब होगा कि अगर यह प्रवृत्ति जारी रहती है, तो कीमतों में कटौती की उचित संभावना है। एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार ईंधन की कीमतों में कटौती की उम्मीदें सितंबर 2023 से बनी हुई हैं, जब वैश्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमतें 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई थीं। हालांकि, बीच-बीच में कीमतों में हल्की बढ़ोतरी देखी गई, लेकिन ज्यादातर समय यह 70-75 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में बनी रही। दिलचस्प बात यह है कि जहां सरकारी तेल कंपनियों ने कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का फायदा ग्राहकों तक नहीं पहुंचाया, वहीं निजी कंपनियां 3 रुपये प्रति लीटर तक की छूट देकर बाजार में अपनी पकड़ मजबूत कर रही हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को बढ़ावा देने 22,919 करोड़ की योजना मंजूर

योजना से 59,350 करोड़ के निवेश के साथ 4.56 लाख करोड़ का उत्पादन होगा

नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट डिस्प्ले और कैमरा मॉड्यूल, नॉन-सरफेस माउंट डिवाइस, मल्टी-लेयर पीसीबी, डिजिटल ऐप्लिकेशन के लिए लीथियम-आयन सेल आदि के विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 22,919 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी। उम्मीद है कि इस योजना से 59,350 करोड़ रुपये के निवेश के साथ 4.56 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन होगा। सरकार इस योजना के तहत बैटरी पैक, मोबाइल फोन, लैपटॉप, टैबलेट और अन्य उपकरणों में उपयोग होने वाले आवश्यक घटकों जैसे रेसिस्टर, कैपेसिटर, इंडक्टर, ट्रांसफॉर्मर, फ्यूज, थर्मिस्टर और पोटेंशियोमीटर के देश में विनिर्माण के लिए भी प्रोत्साहन प्रदान करेगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसले की जानकारी देते हुए इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इस योजना से 91,600 लोगों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार पैदा होंगे और लगभग 59,350 करोड़ रुपये का निवेश आने का अनुमान है।

वैष्णव ने कहा कि हम भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत सेमीकंडक्टर विनिर्माण को बढ़ावा दे रहे हैं और पीएलआई (उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन) योजना के जरिये तैयार उत्पादों के विनिर्माण को सहायता दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ उत्पादन में वृद्धि के आधार पर कंपनियों को प्रोत्साहन देने के बजाय सरकार नई योजना के तहत प्रोत्साहन वितरित करने के लिए त्रिआयामी नजरिया अपनाएगी। वैष्णव ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स पहले से ही भारत से निर्यात की जाने वाली शीर्ष तीन वस्तुओं में है। इस कार्यक्रम के साथ निर्यात 2.5 लाख करोड़ रुपये और बढ़ेगा तथा आने वाले वर्षों में इसके दोगुना होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि प्रत्यक्ष रोजगार की संख्या पर प्रोत्साहन के असर का का पता लगाने के लिए सरकार आवेदकों से यह पूछेगी कि वे अपनी विनिर्माण इकाइयों में कितने लोगों को रोजगार देने वाले हैं तथा उस संख्या के आधार पर उनका मूल्यांकन करेगी।

गूगल पर लगाए गए जुर्माने को घटाकर किया 216 करोड़

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी कानून अपील न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने गूगल के खिलाफ जारी दबदबे के मामले में सीसीआई के फैसले को आंशिक रूप से बरकरार रखा है। गूगल पर लगाए गए जुर्माने को 216 करोड़ रुपये में कम करके एनसीएलएटी ने इसे दोबारा विचार करने के लिए तारीख तय की है। एनसीएलएटी के आदेश में गूगल को व्यावसायिक पोलीसी में सुधार करने का निर्देश दिया गया है, साथ ही ऐप डेवलपर्स को और अधिक स्वायत्तता प्रदान करने की अनुमति दी गई है। एनसीएलएटी ने कहा है कि गूगल को अपने प्लेटफॉर्म पर आए डेटा का सही उपयोग करने के लिए पारदर्शी नीतियों का अधिक विकल्प प्रदान करना चाहिए। इसके साथ ही गूगल को ऐप डेवलपर्स को अधिक स्वायत्तता देने के लिए प्रेरित करने के लिए कई सुविधाएं प्रदान करने के निर्देश भी दिए गए हैं।गूगल को व्यावसायिक पोलीसी में सुधार करने का निर्देश भी दिया गया यह फैसला भारत में व्यावसायिक पोलीसी स्वायत्तता का महत्व दर्शाता है और अधिक स्पष्टता और स्वतंत्रता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। गूगल ने एनसीएलएटी से संपर्क कर सीसीआई के 25 अक्टूबर, 2022 के आदेश पर रोक लगाने की मांग की थी, जिसमें उस पर 936.44 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया था और गूगल को प्लेस्टोर में आपत्तिजनक गतिविधियों को रोकने और उनसे दूर रहने को कहा गया था। यह मामला गूगल प्लेस्टोर की नीति से जुड़ा है, जिसके तहत सभी ऐप डेवलपर्स को ग्राहकों से शुल्क लेने के लिए केवल गूगल प्ले के बिलिंग सिस्टम (जीपीबीएस) का उपयोग करना होता है।

1 अप्रेल से बुखार और एलर्जी जैसी कई बीमारियों की दवाएं होंगी महंगी

दवाओं के दाम में 1.74 प्रतिशत तक बढ़ोतरी को मिली मंजूरी

नई दिल्ली

नए वित्तीय वर्ष से मौसमी बुखार और एलर्जी जैसी कई बीमारियों की दवाओं की कीमत में बढ़ोतरी हो सकती है। हाल ही में कई आम बीमारियों में उपयोगी दवाओं की कीमत बढ़ाने को लेकर सरकार ने मंजूरी दे दी है। जिन दवाओं की कीमतें अगले महीने से बढ़ने जा रही हैं।

इनमें से कई का इस्तेमाल डायबिटीज, बुखार और एलर्जी जैसी आम बीमारियों में किया जाता है। जबकि कुछ दवाओं का इस्तेमाल पेन किलर की रूप में होता है। बताया जा रहा है कि इन दवाओं के बढ़ती कीमतों का मुख्य कारण कच्चे माल की बढ़ती लागत है। हालांकि इन दवाओं की दामों में इजाफा सीमित ही होगा।

दरअसल, सरकार ने जरूरी दवाओं की लिस्ट यानी नेशनल लिस्ट ऑफ एसेंशियल मेडिसिन में शामिल दवाओं के दाम में 1.74 प्रतिशत तक बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। इनमें पेरासिटामोल, एज़िथ्रोमाइसिन, एंटी-एलर्जी, एंटी-एनीमिया, और विटामिन और मिनरल्स की दवाएं शामिल हैं। केंद्र सरकार ने जिन दवाओं की कीमतें बढ़ाने की मंजूरी दी है।

उनकी कीमत में बढ़ोतरी होलसेल प्राइस इंडेक्स के आधार पर तय की गई है। इस बार होलसेल प्राइस इंडेक्स में 1.74 प्रतिशत की बढ़त आई है। दवाओं के भाव अब इसी हिसाब से दाम बढ़ाए जा रहे हैं।

फार्मा कंपनियों का कहना है कि हम लंबे वक्त से कीमतें बढ़ाने की मांग कर रही थे। कच्चे माल की कीमत, यानी दवा बनाने वाले कंपोनेंट्स के दाम पिछले कुछ समय से बढ़ रहे थे, जिसकी वजह से लागत भी बढ़ गई है।

एटीएम के हर अतिरिक्त ट्रांजैक्शन पर देने होंगे दो रुपए ज्यादा

भारतीय रिजर्व बैंक एटीएम विड्रॉल फीस बढ़ाने का ऐलान किया। 1 मई से बैंक ग्राहकों को मासिक फ्री ट्रांजैक्शन लिमिट पार करने पर हर अतिरिक्त ट्रांजैक्शन के लिए 2 रुपए ज्यादा चुकाने होंगे। वर्तमान में बैंक फ्री ट्रांजैक्शन लिमिट पार होने के बाद हर निकासी पर 21 रुपए शुल्क लेते हैं, जिसे अब बढ़ाकर 23 रुपए कर दिया गया है। आरबीआई ने एटीएम इंटरचेंज फीस में भी 2 रुपए की वृद्धि की है। अब हर इंटरचेंज ट्रांजैक्शन पर 19 रुपए चार्ज लगेगा। अभी इंटरचेंज फीस 17 रुपए है। बैंकों के नियमों के अनुसार, मेट्रो शहरों में ग्राहक हर महीने 5 और नॉन-मेट्रो शहरों में 3 फ्री ट्रांजैक्शन कर सकते हैं। इसके बाद हर अतिरिक्त ट्रांजैक्शन पर निर्धारित चार्ज देना होगा। एटीएम चार्ज में बढ़ोतरी का असर छोटे बैंकों के ग्राहकों पर ज्यादा पड़ सकता है, क्योंकि ये बैंक एटीएम नेटवर्क और संबंधित सेवाओं के लिए बड़े वित्तीय संस्थानों पर निर्भर होते हैं।

मस्क ने एक्स को अपनी एआई फर्म एक्सएआई को 33 अरब डॉलर में बेचा

नई दिल्ली

अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क ने अपनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ङ्ग) को अपनी ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनी-एक्सएआई को 33 अरब डॉलर (लगभग 2.82 लाख करोड़ रुपये) में बेच दिया है। यह सौदा एक ऑल-स्टॉक के तहत हुआ, जिसका मतलब है इसमें नकदी की बजाय शेयरों का लेन-देन हुआ है।

एलन मस्क ने शनिवार को 'एक्स' पर कहा कि यह कदम एक्सएआई की उन्नत एआई क्षमता और विशेषज्ञता को एक्स की व्यापक पहुंच के साथ मिलाकर अपार संभावनाओं को खोलेगा। उन्होंने कहा, एक्सएआई और एक्स का भविष्य आपस में जुड़ा हुआ है।

इसलिए आज हम आधिकारिक रूप से डेटा, मॉडल, कंप्यूटिंग, वितरण और प्रतिभा को एकसाथ लाने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस सौदे में एक्सएआई का मूल्य 80 अरब डॉलर और एक्स का 33 बिलियन डॉलर है। यह सौदा एक ऑल-स्टॉक के तहत हुआ है। दरअसल दोनों कम्पनियां निजी स्वामित्व वाली हैं, जिसका अर्थ है कि उन्हें अपने वित्तीय विवरण सार्वजनिक करने की

आवश्यकता नहीं है। उल्लेखनीय है कि एलन मस्क, जो टेस्ला और स्पेसएक्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी के साथ-साथ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सलाहकार के रूप में कार्य करते हैं, उन्होंने 2022 में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर को 44 बिलियन डॉलर में खरीदा था। इसके बाद एलन मस्क ने इसके कर्मचारियों को हटा दिया और अभद्र भाषा, गलत सूचना और उपयोगकर्ता सत्यापन पर इसकी नीतियों में बदलाव करते हुए इसका नाम बदलकर एक्स कर दिया।

एचएएल से रक्षा मंत्रालय खरीदेगा 156 लड़ाकू हेलीकॉप्टर, 62,700 करोड़ रुपये का किया अनुबंध

नई दिल्ली

रक्षा मंत्रालय ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स के साथ 65,000 करोड़ रुपये के दो अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें 156 हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर्स शामिल हैं। इन हेलीकॉप्टरों के सहित अगले पांच वर्षों में भारतीय वायु सेना और भारतीय सेना को सप्लाई की जाएगी।

यह कॉन्ट्रैक्ट भारत में आर्थिक विकास और रक्षा उत्पादन में स्वदेशी हितों को प्रोत्साहित करेगा। इसके साथ ही, विभिन्न सशस्त्र बलों के लिए एक सार्वजनिक क्षेत्र के अन्तर्गत कई महत्वपूर्ण सौदे किए गए हैं, जो स्वदेशी रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इन समाचारों के माध्यम से, भारत की रक्षा मंत्रालय ने एक बार फिर अपनी निरंतर प्रयासों की दिशा में नए सफलता के जश्न मनाने के लिए एक और मुद्दा उठाया है। रक्षा मंत्रालय ने 156 हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर (एलसीएच) खरीदने के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के

साथ 62,700 करोड़ रुपये के दो अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। रक्षा मंत्रालय के अनुसार पहला अनुबंध भारतीय वायु सेना (आईएएफ) को 66 लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टरों की सप्लाई के लिए है और दूसरा भारतीय सेना को 90 लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टरों की सप्लाई के लिए है। इन हेलीकॉप्टरों की सप्लाई अनुबंध होने के तीसरे वर्ष से शुरू होगी और अगले पांच वर्षों में पूरी की जाएगी।

एलसीएच भारत का पहला स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित लड़ाकू हेलीकॉप्टर है, जो 5,000 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर संचालन की क्षमता रखता है। इस हेलीकॉप्टर के अधिकतर सामान को भारत में डिजाइन और निर्मित किया गया है और इस खरीद की प्रक्रिया के साथ हेलीकॉप्टर कुल स्वदेशी सामग्री 65 प्रतिशत से अधिक हासिल करने की योजना है।

इसमें 250 से अधिक घरेलू कंपनियां शामिल होंगी, जिनमें से अधिकांश एमएसएमई होंगी और इससे 8,500 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। इस बीच मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना और भारतीय नौसेना के पायलटों को हवा से हवा में ईंधन भरने का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक फ्लाइट रिफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट (एफआरए) की वेट लीजिंग के लिए मेट्रिया मैनेजमेंट के साथ एक कॉन्ट्रैक्ट पर भी साइन किए।

मेट्रिया छह महीने के भीतर एफआरए (केसी135 एयरक्राफ्ट) प्रदान करेगा, जो भारतीय वायुसेना द्वारा वेट लीज पर लिया जाने वाला पहला एफआरए होगा। इन तीन कॉन्ट्रैक्ट पर साइन करने के साथ, 2024-25 के दौरान रक्षा मंत्रालय द्वारा साइन किए गए कुल कॉन्ट्रैक्ट्स की संख्या 193 तक पहुंच गई है, जिनका कुल कॉन्ट्रैक्ट मूल्य 2,09,050 करोड़ रुपये से अधिक है, जो अब तक का सबसे अधिक और पिछले उच्चतम आंकड़े से लगभग दोगुना है।

इनमें से 92 प्रतिशत घरेलू उद्योग को दिए गए कॉन्ट्रैक्ट हैं, जिनका कॉन्ट्रैक्ट मूल्य 1,68,922 करोड़ रुपये (81 प्रतिशत) है।

हमारा अगला बड़ा लक्ष्य 2026 एशियाई खेलों में भारत के लिए पदक जीतना है : कोच हेमराज

नई दिल्ली

भारतीय सेपक टकरा टीम के मुख्य कोच हेमराज ने हाल ही में खेले गए सेपक टकरा विश्व कप 2025 में टीम के ऐतिहासिक प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की भूमिका पर बात की।

इसी के साथ उन्होंने कहा कि हमारा अगला बड़ा लक्ष्य 2026 एशियाई खेलों में भारत के लिए पदक जीतना है।

बिहार के पटना में सेपक टकरा विश्व कप 2025 में भारतीय पुरुष रेगु टीम ने ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता। 20 से 25 मार्च तक पाटलिपुत्र इंडोर स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जापान को 2-1 से हराया। प्रतियोगिता में भारतीय दल ने एक स्वर्ण, एक रजत और पांच कांस्य सहित कुल सात पदक जीते। पुरुषों की रेगु टीम ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि महिलाओं की युगल टीम ने रजत पदक जीता। पुरुषों की युगल टीम, महिलाओं की रेगु टीम, मिश्रित क्वाड टीम, महिलाओं की क्वाड टीम और पुरुषों की क्वाड टीम ने कांस्य पदक जीते।

भारतीय सेपक टकरा टीम के मुख्य कोच हेमराज ने साई मीडिया से बातचीत में कहा कि खिलाड़ियों ने 8 से 10 वर्षों तक बवाना (दिल्ली), इम्फाल, दीमापुर और बरेली में साई प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षण लिया और अपने कौशल को निखारा है। टीम के अधिकांश खिलाड़ी साई से निकले हैं, जिन्हें निरंतर सहायता मिलती रही है। विश्व कप की तैयारी के लिए साई ने थाईलैंड में डेढ़ महीने का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया, जहां इन खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत की।

भविष्य की चुनौतियों को देखते हुए कोच ने कहा कि हमारा अगला बड़ा लक्ष्य 2026 एशियाई खेलों में भारत के लिए पदक जीतना है। उससे पहले हमारे पास मई में मलेशिया में पुरुषों का एशिया कप और जुलाई में बैंकॉक (थाईलैंड) में विश्व चैंपियनशिप है। हमारा लक्ष्य इन सभी आगामी आयोजनों में अपनी निरंतरता बनाए रखना है।

न्यूज ब्रीफ

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर स्टुअर्ट लॉ बने नेपाल क्रिकेट टीम के हेड कोच

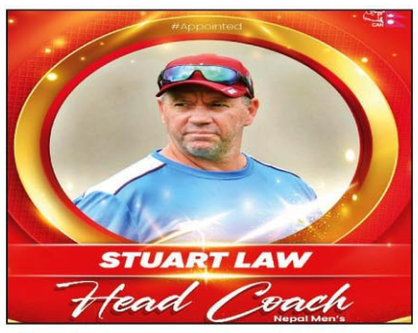

नई दिल्ली। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी स्टुअर्ट लॉ को अगले 2 वर्षों के लिए नेपाल पुरुष क्रिकेट टीम का हेड कोच नियुक्त किया गया है। नेपाल क्रिकेट एसोसिएशन (सीएएन) ने इसकी जानकारी दी है। लॉ से पहले मोंटी देसाई नेपाल टीम के कोच थे। उनका कार्यकाल इस साल फरवरी में समाप्त हो गया था। नेपाल क्रिकेट एसोसिएशन ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज स्टुअर्ट लॉ अगले दो वर्षों के लिए नेपाल पुरुष राष्ट्रीय क्रिकेट टीम की कमान संभालेंगे। 56 साल के स्टुअर्ट लॉ ने ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए वर्ष 1994 से 1999 के बीच क्रिकेट खेला। उन्होंने एक टेस्ट और 54 वनडे मैच खेले, जिसमें 1291 रन बनाए और 12 विकेट अपने नाम किए। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद उन्होंने कोचिंग की दुनिया में कदम रखा। उनके पास कोचिंग का काफी अनुभव हो चुका है। वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका, श्रीलंका, बांग्लादेश, वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान के साथ काम कर चुके हैं। पिछले साल उनकी कोचिंग में अमेरिका टीम ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। घरेलू धरती पर खेले गए टूर्नामेंट में यूएसए ने ग्रुप चरण में अपने शुरुआती मैच में कनाडा को हराया। इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ एक ऐतिहासिक जीत दर्ज की। इससे वे सुपर आठ चरण में पहुंचने में कामयाब रहे थे।

सीएसके की हार में भी खूब चमका ये अफगानी गेंदबाज

चैन्नई। आईपीएल-2025 में 17 साल बाद चेन्नई सुपर किंग्स को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने मात दी। करारी हार के बावजूद सीएसके के लिए खेल रहे अफगानी मूल के क्रिकेटर नूर अहमद मैच में खूब चमके। नूर अहमद ने चार ओवर में 36 रन देकर तीन विकेट चटकाए और इसके साथ ही वह टूर्नामेंट में पर्पल कैप की रेस में सबसे आगे हो गए। टूर्नामेंट में नूर अहमद ने कुल दो मैच खेले हैं और उन्होंने 7 विकेट अपने नाम किए हैं। आरसीबी के खिलाफ उतरने से पहले उनके खाते में चार विकेट थे और वह पर्पल कैप की रेस में दूसरे नंबर पर थे। आरसीबी के खिलाफ नूर ने अच्छी गेंदबाजी की। नूर अहमद के बाद पर्पल कैप की रेस में लखनऊ सुपर जायंट्स के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर हैं। शार्दुल के बाद आरसीबी के जोश हेजलवुड हैं, जिनके नाम दो मैच में 5 विकेट हैं। चौथे नंबर पर सीएसके के खलील अहमद हैं, जिनके नाम दो मैच में चार विकेट हैं। बता दें चेपॉक के मैदान पर आईपीएल 2025 का 8वां मुकाबला आरसीबी और सीएसके के बीच खेला गया। सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। आरसीबी ने पहले बैटिंग करते हुए 197 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सीएसके 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 146 रन बना सकी। इस तरह आरसीबी ने सीएसके को 50 रनों से हरा दिया। आरसीबी की इस मैदान पर यह दूसरी जीत थी।

2025 क्लब वर्ल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट 14 जून से

सेन डियागो। 2025 क्लब वर्ल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट ये 14 जून से 13 जुलाई, 2025 तक संयुक्त राज्य अमेरिका में होगा। इस टूर्नामेंट में कुल 32 टीमें भाग लेंगी। इसमें सात मैचों का ग्रुप स्टेज और प्लेऑफ फॉर्मेट होगा। विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था फीफा ने इसके लिए इनामी राशि घोषित कर दी है। इसमें कुल इनामी राशि 1 बिलियन डॉलर 32 प्रतिभागी क्लबों में वितरित की जाएगी। इसमें विजेता टीम को 125 मिलियन डॉलर तक जीतने का निर्धारित अवसर मिलेगा। इसके अलावा वैश्विक क्लब फुटबॉल को समर्थन देने के लिए 250 मिलियन डॉलर अलग रखे गए हैं। वहीं इसमें शामिल टीमों को 525 मिलियन डॉलर मिलेंगे। इसके अलावा यूईएफए क्लब 12.81 मिलियन डॉलर से 38.19 मिलियन डॉलर तक की राशि हासिल करेंगे, जो उनकी रैंकिंग और राजस्व पर निर्भर करेगा। इसके तहत शीर्ष स्तर के क्लब चेल्सी, मैनचेस्टर सिटी, रियल मैड्रिड और बायर्न म्यूनिख बड़ी इनामी राशि हासिल करने की दावेदार रहेंगी। कोंमेबोल (दक्षिण अमेरिकी) क्लब को 15.21 मिलियन डॉलर के करीब रकम मिलेगी।

ऋषभ पंत नहीं सुन रहे जहीर खान की इसलिए मैदान पर हो रहे फेल

हरभजन सिंह ने कहा दोनों के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा

नई दिल्ली

हरभजन सिंह ने ऋषभ पंत और जहीर खान को लेकर बड़ा खुलासा किया है। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान पंत की टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर आईपीएल में पहली जीत दर्ज की, लेकिन पंत बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। हरभजन का कहना है कि पंत और एलएसजी के मेंटॉर जहीर खान के बीच कुछ ठीक नहीं चल रहा है। पंत, जहीर की बात नहीं मान रहे हैं। जहीर जिस पोजीशन पर पंत को बल्लेबाजी करते देखना चाहते हैं। वह पंत खुद के लिए ठीक नहीं समझते हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पंत 15 गेंदों पर 15 रन ही बनाकर आउट हो गए थे।

हरभजन ने कहा कि जहीर खान जो एक अनुभवी और तेज गेंदबाद रहे हैं वह चाहते थे कि सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ ऋषभ पंत पारी की शुरुआत करें, लेकिन पंत ने उनकी बात नहीं मानी और वह अपने मन के मुताबिक बैटिंग करने उतरे। पंत मौजूदा आईपीएल में दो मैचों में फेल नजर आए। भज्जी ने कहा कि दोनों की सोच एक जैसी नहीं है। जहीर खान चाहते हैं कि पंत ओपन करें लेकिन वह मिडिल ऑर्डर में बैटिंग कना चाहते हैं।

जहीर का मानना है कि पंत ओपन करें क्योंकि अगर वह ऐसा करेंगे तो उनका बेस्ट प्रदर्शन बल्लेबाज के रूप में सामने आएगा। निकोलस पूरन या फिर एडेन मार्करम हों, अगर आप उन्हें अपना बेस्ट प्लेयर मानते हैं तो उन्हें 4 या 5 से नीचे बैटिंग नहीं करनी चाहिए। इसलिए पंत को टॉप ऑर्डर में खेलना चाहिए। हैरानी की बात यह है कि पंत ने जहीर की बात नहीं मानी और वह उनके फैसले के खिलाफ गए और मैदान में फेल नजर आए।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम की बैटिंग मुफीद विकेट पर पंत के सस्ते में आउट होने के बाद उन्हें सोशल मीडिया पर फैंस ने जमकर ट्रोल किया। इस विकेट पर एलएसजी के विकेटकीपर निकोलस पूरन ने 26 गेंदों पर 70 रन जड़े जबकि मिचेल मार्श ने 31 गेंदों पर 52 रन की शानदार पारी खेली। पंत की कप्तानी वाली एलएसजी को इस सीजन आईपीएल में दो मैचों में से एक में जीत मिली है जबकि एक में हार। एलएसजी अपने तीसरे मैच में पंजाब किंग्स से भिड़ेगी। यह मैच 1 अप्रैल को खेला जाएगा। पंत पहले मैच में जीरो पर आउट हुए थे। हरभजन भी चाहते हैं कि पंत ओपनिंग करें। उन्होंने कहा कि अगर आपके पास पंत, पूरन और मार्करम जैसे बल्लेबाज हैं तो आप चाहोगे कि ये बैटर चौथे या पांचवें नंबर से नीचे बैटिंग ना करें।

आईपीएल में सबसे अधिक डॉट गेंदें फेंकने वालों में अधिकतर भारतीय

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में डॉट गेंद फेंकने के मामले में शीर्ष पांच खिलाड़ियों में से चार भारतीय गेंदबाज हैं। केवल एक गेंदबाज सुनील नरेन वेस्टइंडीज के हैं। आईपीएल में आमतौर पर बल्लेबाज हावी रहे हैं पर इसमें सबसे अधिक डॉट गेंद फैंककर भारतीय गेंदबाजों बल्लेबाजों पर अंकुश लगाये रखा है। आरसीबी में शामिल भुवनेश्वर कुमार ने 1729 डॉट गेंदें फेंकी हैं और वह सूची में पहले नंबर पर हैं। भुवनेशवर ने टूर्नामेंट में कुल 3910 गेंदें डाली है, जिसमें 44 फीसदी डॉट गेंदें हैं। सबसे ज्यादा किफायती गेंदबाज की बात करें तो भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 1292 गेंदों के साथ छठे स्थान पर हैं। वहीं साल 2021 में अंतिम आईपीएल मैच खेलने वाले स्पिनर हरभजन सिंह इस सूची में 1312 डॉट गेंदों के साथ पांचवें पायदान पर जबकि स्पिनर पीयूष चावला हैं। पीयूष ने आईपीएल में 1358 डॉट गेंदें डाली है और वह चौथे नंबर पर हैं। वहीं अनुभवी स्पिनर आर अश्विन 1612 गेंदों के साथ सूची में तीसरे स्थान पर हैं। अश्विन इस बार सीएसके से खेल रहे हैं। वहीं इस सूची में नरेन ही केवल विदेशी गेंदबाज है। नरेन ने अपने आईपीएल करियर में अभी तक 1636 डॉट गेंदें फेंकी और वह दूसेर नंबर पर है।

आईपीएल-2025 में अब तक का सबसे लंबा छक्का ट्रेविस हेड ने लगाया

नई दिल्ली

आईपीएल सीजन 18 में क्रिकेट प्रेमियों को ऐसा खेल देखने को मिला जिससे वह गदगद हैं क्योंकि हर मैच में बड़े बड़े शाट्स देखने को मिल रहे हैं और दर्शकों का पैसा भी वसूल हो रहा है। सीजन में अभी तक कई रोमांचक मुकाबले हो चुके हैं। अभी तक हुए मुकाबलों में सबसे लंबा छक्का लगाने वाले बल्लेबाज ट्रेविस हेड हैं, जो सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाड़ी हैं। इस सूची के टॉप 5 बल्लेबाजों में कोई भारतीय बल्लेबाज नहीं है। इस सीजन के पहले 5 मैचों में कुल रन रेट में 17 फीसदी की वृद्धि हुई है, लेकिन जो आंकड़े वास्तव में आपको चौंकाते हैं, वे हैं बाउंड्री की संख्या। इस सीजन में छक्कों की संख्या में 37 फीसदी की वृद्धि हुई है, जबकि चौकों की संख्या में 34 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई है। इस सीजन में अब तक 32 से अधिक छक्के लगाए गए हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 23 मार्च को हुए मैच में 105 मीटर का छक्का लगाया था।

इस सूची के टॉप 5 बल्लेबाजों में एक भी भारतीय बल्लेबाज का नाम नहीं

ये आईपीएल 2025 में अभी तक का सबसे लंबा छक्का है। इस मुकाबले में हेड ने 31 गेंदों में 67 रन बनाए थे। इस पारी में उन्होंने 3 छक्के और 9 चौके जड़े थे। दिल्ली कैपिटल्स प्लेयर ट्रिस्टन स्टब्स आईपीएल 2025 में अभी तक सबसे लंबा छक्का लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ हुए मुकाबले में 98 मीटर का छक्का लगाया था। इस मुकाबले को दिल्ली ने 1 विकेट से जीता था।

अभी तक खेले गए मैचों में कई भारतीय बल्लेबाजों ने शानदार पारियां तो खेली है पर उस सूची में किसी भी बल्लेबाज का नाम नहीं है जहां पूरन दो बार अपना नाम लिखवा चुके है। सबसे लंबा छक्का लगाने के मामले में टॉप 5 में 2 सिक्सर्स तो निकोलस पूरन के हैं।

फिगर स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप

बोस्टन में फिगर स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप में आइस डांस रिदम डांस कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शन करती स्लोवाकिया की मारिया सोफिया पुचेरोवा और निकिता लिसाक।

वनडे सीरीज में कीवी टीम से अब्बास ने किया डेब्यू, पाक गेंदबाजों को धोया

24 गेंदों में अर्धशतक जड़कर रचा इतिहास, क्रुणाल का तोड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली

पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच चल रही वनडे सीरीज के पहले मैं में कीवी टीम से पाकिस्तान के एक पूर्व क्रिकेटर का बेटा मैदान में उतरा। पाकिस्तान के लिए घरेलू क्रिकेट में धूम मचा चुके अजहर अब्बास के बेटे मोहम्मद अब्बास ने मैच में डेब्यू किया। अपने पहले ही मुकाबले में 21 साल के अब्बास ने 26 गेंदों पर 52 रन ठोकर दमदारी दिखाई।

अब्बास ने तीन चौके और तीन छक्के लगाए। अपने डेब्यू मैच में मोहम्मद अब्बास 200 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। उन्होंने सिर्फ 24 गेंदों में अर्धशतक जड़कर वनडे क्रिकेट में डेब्यू पर सबसे तेज फिफ्टी का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

इस शानदार प्रदर्शन के साथ उन्होंने भारत के क्रुणाल पंड्या को पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने अपने डेब्यू वनडे में 26 गेंदों पर अर्धशतक लगाया था।

बता दें मोहम्मद अब्बास के पिता अजहर अब्बास पाकिस्तान के घरेलू क्रिकेट में 21 फर्स्ट-क्लास मैच खेल चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने 15 लिस्ट ए और 19 टी20 मुकाबले भी घरेलू क्रिकेट में खेले।

इसके बावजूद भी वह पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय टीम में डेब्यू नहीं कर पाए थे। बेटे मोहम्मद अब्बास में क्रिकेट का जुनून बचपन से ही था। मात्र 3 साल की उम्र से वे क्रिकेट के प्रति आकर्षित हो गए थे। उनके इस जुनून को देखते हुए न्यूजीलैंड क्रिकेट ने 16 साल की उम्र में उन्हें अपने टैलेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम में जगह दी थी। उनकी मेहनत और समर्पण का फल अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर देखने को मिला, जब उन्होंने अपने पहले ही मैच में इतिहास रच डाला।

न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और मोहम्मद अब्बास की तूफानी पारी की मदद से 50 ओवर में 9 विकेट पर 344 रन का स्कोर खड़ा कर दिया। अब्बास के अलावा मार्क चैपमैन ने 132 रनों की शतकीय पारी खेली, जिसने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

अब्बास के आक्रामक खेल ने पाकिस्तानी गेंदबाजों पर दबाव बना दिया, जिसके चलते न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के सामने 345 रनों का विशाल लक्ष्य रखा। पाकिस्तानी मूल के इस युवा खिलाड़ी का अपनी जन्मभूमि की टीम पाकिस्तान के खिलाफ ऐसा प्रदर्शन चौंकाने वाला है। यह दिखाता है कि प्रतिभा किसी देश या सीमा की बाध्यता नहीं मानती। अपने डेब्यू मैच में ही अब्बास ने साबित कर दिया कि वे भविष्य में न्यूजीलैंड क्रिकेट का बड़ा चेहरा बन सकते हैं।

स्व. बहादुर सिंह ठाकुर स्मृति में रायगढ़ का पहला आईपीएल टूर्नामेंट आठ अपैल से

रायगढ़

रायगढ़ जिले में पहली बार टेनिस बॉल रात्रि कॉलिन क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन इंडियन प्रीमियर लीग होने जा रहा है। यह अनूठा प्रयोग न केवल जिले के क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक नया अनुभव लेकर आया है, बल्कि खिलाड़ियों, आयोजकों और दर्शकों में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है। यह प्रतियोगिता 8 अप्रैल से 13 अप्रैल तक डिग्री कॉलेज लाल मैदान ग्राउंड पर दूधिया रोशनी में खेली जाएगी।

लाल मैदान खेल समिति के अध्यक्ष चंद्रकांत जलक्षत्री (चंदू) ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि उसके साथियों का सपना था कि रायगढ़ में आईपीएल जैसा टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट हो। इस सपने को सच करने के लिए उनके साथी, 120 खिलाड़ी, 8 फ्रेंचाइजी मालिक और स्पॉन्सर्स ने साथ दिया है। चंदू ने कहा कि यह रायगढ़ टेनिस क्रिकेट का नया चेहरा होगा। हम इसे ऐसा बनाएंगे कि लोग सालों तक याद रखें। टूर्नामेंट के संरक्षक राजेंद्र सिंह ठाकुर और लीनू जॉर्ज के मार्गदर्शन में गजेंद्र राजपूत, कुलदीप सिंह ठाकुर, संतोष केसरी, हिरेन्द्र जलक्षत्री, अक्षय सिदार, श्रीमंत मिश्रा और दीपक पण्डा समेत कई साथियों ने इस मिशन को पंख दिए हैं।

आपसी सौहार्द और भाईचारे को बढ़ावा देगा

टूर्नामेंट के संरक्षक एवं वार्ड क्रमांक 26 के पूर्व पार्षद राजेंद्र ठाकुर ने कहा कि, मेरे पिताजी, स्वर्गीय बहादुर सिंह ठाकुर की स्मृति में इस क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन मेरे लिए गर्व महसूस करा रहा है। ऐसे आयोजन न केवल खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करते हैं, बल्कि समाज में आपसी सौहार्द और भाईचारे को भी बढ़ावा देते हैं। मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि मेरे पिताजी के नाम पर इतना भव्य टूर्नामेंट आयोजित हो रहा है। यह हमारे परिवार के लिए एक भावुक क्षण है।

सह सचिव संतोष केसरी और रितेश निषाद ने बताया कि टूर्नामेंट जीतने वाली टीम को 77 हजार 777 रुपये और दूसरी टीम को 44 हजार 444 रुपये के साथ ट्रॉफी मिलेगी। मैन ऑफ द मैच, बेस्ट बैट्समैन, बेस्ट बॉलर, बेस्ट कीपर, बेस्ट फील्डर जैसे ढेर सारे अवॉर्ड्स भी तैयार हैं।

स्वर्गीय बहादुर सिंह ठाकुर की याद में समर्पित

समिति के उपाध्यक्ष गजेंद्र राजपूत कहते हैं कि यह टूर्नामेंट सिर्फ खेल का मंच नहीं, बल्कि एक भावुक श्रद्धांजलि भी है। यह रायगढ़ के भाजपा नेता राजेंद्र सिंह ठाकुर के पिता स्वर्गीय बहादुर सिंह ठाकुर की याद में समर्पित है। पहला सीजन उनके नाम है, जो इसे और भी खास बनाता है। यह एक ऐसा मंच है जहाँ खेल और सम्मान एक साथ नजर आएंगे।

एक फ्रेशर अगर चाहे तो किसी भी स्वास्थ्य से जुड़ी सेवाओं या किसी अस्पताल में बतौर असिस्टेंट हॉस्पिटल मैनेजर कैरियर शुरू कर सकता है। इसके अलावा उसके पास कई क्षेत्रों में मैनेजर बनने के लिए कई विकल्प मौजूद हैं।

चिकित्सा से जुड़ा एक सुनहरा कैरियर हॉस्पिटल मैनेजमेंट

अनिवार्य योग्यता

हॉस्पिटल मैनेजमेंट में स्नातक डिग्री पाने के लिए 12वीं में बायोलॉजी में कम से कम 50 प्रतिशत अंक अनिवार्य हैं। अगर कोई चाहे तो स्नातक डिग्री पाने के बाद हॉस्पिटल मैनेजमेंट में एमबीए या स्नातकोत्तर तथा डिप्लोमा कोर्स भी कर सकता है। स्नातकोत्तर कोर्सेस करने के लिए योग्यता संस्थान के अनुसार भिन्न हो सकती है। इस क्षेत्र में मुख्यत: प्रोफेशनल कोर्स बैचलर ऑफ हॉस्पिटल मैनेजमेंट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन हॉस्पिटल मैनेजमेंट, मास्टर ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, एमबीए इन हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन और एमडी या एम फिल इन हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन उपलब्ध हैं। इन सबके अलावा करीबन 70 मान्यता प्राप्त प्रोग्राम इस क्षेत्र में उपलब्ध हैं।

हॉस्पिटल मैनेजमेंट प्रबंधन का एक ऐसा क्षेत्र है, जो कैरियर के कई रास्ते खोलता है। अगर आप भी प्रबंधन के क्षेत्र में ऐसे कैरियर विकल्प की तलाश कर रहे हैं, जिसमें आपके लिए अवसरों की कमी न हो तो हॉस्पिटल मैनेजमेंट का कैरियर आपके लिए अच्छा विकल्प साबित हो सकता है।

क्या है हॉस्पिटल मैनेजमेंट?

अमेरिका में हुए सर्वे के अनुसार हॉस्पिटल मैनेजमेंट दस शीर्ष कैरियर में शामिल है, जो स्वास्थ्य सेवाओं के आपूर्तिकर्ता व मांगने वालों के बीच सीधा संबंध स्थापित करता है। अस्पताल प्रबंधक अस्पताल के प्रबंधन में सुधार, बाहरी रोगियों की चिकित्सा आदि का प्रबंधन करते हैं। वे अपने सहायकों की टीम द्वारा प्रशासकीय कार्यों जैसे योजना समन्वयन व हॉस्पिटल के भीतर स्वास्थ्य सेवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करते हैं।

कैसे होता है चयन?

हॉस्पिटल प्रबंधन में हॉस्पिटल प्रबंधन स्नातक (बीएचए) में प्रवेश मुख्यत: 12वीं में प्राप्त अंकों के आधार पर ही होता है। इसके अलावा ग्रुप डिस्कशन तथा इंटरव्यू के आधार पर भी चयन किया जाता है।

प्रमुख संस्थान

- अ.भा. आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
- डेल्ही पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली
- अपोलो इंस्टीटयूट ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, हैदराबाद
- इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ सोशल वेलफेयर एंड मैनेजमेंट, कोलकाता
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस, मुम्बई

कितने साल का होता है कोर्स?

बीबीएम तथा बीएचए का कोर्स जहां 3 साल का होता है, वहीं एमबीए तथा हॉस्पिटल प्रबंधन में मास्टर्स (एमएचए) करने के लिए दो साल की अवधि निर्धारित है, जो चार छमाही में बंटा होता है। हॉस्पिटल प्रबंधन में स्नातकोत्तर प्रोफेशनल प्रोगाम 11 माह का होता है तथा ईएमबीए, पीजीडीएचएम तथा एडीएचएम जैसे कोर्सेस करने के लिए एक साल की अवधि सुनिश्चित है।

यहा मिलेंगे अवसर

सरकारी अस्पताल तथा प्राइवेट अस्पताल दोनों अस्पताल प्रबंधकों की नियुक्ति करते हैं। एक फ्रेशर अगर चाहे तो किसी भी स्वास्थ्य से जुड़ी सेवाओं या किसी अस्पताल में बतौर असिस्टेंट हॉस्पिटल मैनेजर कैरियर शुरू कर सकता है। इसके अलावा उसके पास कई क्षेत्रों में मैनेजर बनने के लिए कई विकल्प मौजूद हैं। अनुभवी व सीनियर हॉस्पिटल प्रबंधक सीईओ के पद पर भी पहुंच सकते हैं।

बनें कानूनी जानकार लॉ इंटर्नशिप

लॉ का क्षेत्र आज भी काफी डिमांडिंग बना हुआ है। आज लॉ ग्रेजुएशन के बाद कैरियर के कई नए ऑप्शंस सामने आए हैं। पारंपरिक तौर पर कोर्ट और वकालत का क्षेत्र तो है ही, इसके अलावा तमाम कंपनियां अपने यहां लीगल ऑफिसेस भी खोलती हैं। इनमें टैक्सेशन, सेल टैक्स आदि मामलों को देखने के लिए लॉ ग्रेजुएट्स को रखा जाता है।

योग्यता

किसी भी मान्यता प्राप्त इंस्टीट्यूट या संस्थान से लॉ का कोर्स कर रहे विद्यार्थी इसे कर सकते हैं। कोर्स के अंतिम वर्ष में इसकी इंटर्नशिप या ट्रेनिंग करनी होती है, जिसके अंक विद्यार्थियों के फाइनल एग्जाम में जोड़े जाते हैं।

अवसर

प्राइवेट या सरकारी बैंक सिर्फ मैनेजर, अकाउंटेंट या क्लर्क ही नहीं, अपने यहां लॉ ऑफिसर भी नियुक्त करते हैं। इसी तरह टैक्सेशन से जुड़ी कंपनियां अपने यहां लॉ के विशेषज्ञों को रख रही हैं। एमएनसी में मैनेजमेंट की टीम में एक लॉ एक्सपर्ट को भी मैनेजर के रूप में रखा जा रहा है। प्राइवेट कंपनियों और बैंकों के प्रसार के कारण लॉ ग्रेजुएट्स को नौकरी के ढेरों अवसर हैं।

वेतन

लॉ में इंटर्नशिप सिर्फ लॉ के विद्यार्थी ही करते हैं और इसमें आमतौर पर किसी तरह का कोई वेतन नहीं दिया जाता। हां, कई ऐसे सीनियर वकील होते हैं, जो अपनी इच्छा अनुसार कुछ स्टाइपेंड जरूर देते हैं।

कहां से करें इंटर्नशिप?

अक्सर स्टूडेंट्स सोचते हैं कि लॉ इंटर्नशिप के लिए गवर्नमेंट इंस्टीटयूट ही बेहतर हैं, लेकिन देश में बहुत सारे प्राइवेट लॉ डिपार्टमेंट और कंपनियां भी हैं, जहां क्वालिटी एजुकेशन के साथ ही कैंपस प्लेसमेंट होती है। विद्यार्थी कॉरपोरेट लॉयर, लीगल एडवाइजर, साइबर लॉ एक्सपर्ट, टीचिंग, लीगल रिपोर्टिंग, बैंक में लॉ ऑफिसर, प्रॉसिक्यूटर, जज आदि के अंतर्गत भी इंटर्नशिप कर सकते हैं।

झटपट से बनाएं उसल पोहा ब्रेकफास्ट में खाना रहेगा बेस्ट

विधि

लाइट होने के साथ ही टेस्टी पोहा नाश्ते के वक्त खाना सही रहता है। लो कैलोरी और लो फैट होने के साथ ही ये कई सारी सब्जियों से मिलकर बना होता है जो हेल्दी रखने में बहुत ही कारगर है। जानते हैं इसे बनाने की विधि।

सामग्री

2 कप पोहा, 2 चम्मच शक्कर, 1 कप उबले सफ़ेद मटर, 1/4 चम्मच हल्दी पाउडर और 2 चम्मच नींबू का रस, 8-10 कढ़ी पत्ते व 2 बारीक कटी हरी मिच, 1/4 चम्मच जीरा, आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, आधा चम्मच धनिया पाउडर, 1/4 चम्मच जीरा पाउडर, 1/4 चम्मच काला नमक।

पोहा छानकर धो लें। कुछ देर के लिए सूखने दें। शक्कर, स्वादानुसार नमक, हल्दी पाउडर और नींबू का रस पोहे पर डालकर उसे एकसार करें। कड़ाही में तेल गर्मकरें। उसमें राई, कढ़ी पत्ते व बारीक कटी हरी मिर्च डालकर भूनें। इसमें मसाले वाला पोहा मिलाएं। अच्छी तरह एकसार करें और कटा हरा धनिया डालकर आंच बंद कर दें। इसे ढंककर अलग रख दें। अब मुट्ठीभर हरा धनिया, हरी मिर्च, अदरक का टुकड़ा और नींबू का रस मिलाकर पेस्ट बना लें। उसल बनाने के लिए कड़ाही में तेल गर्म करें। जीरा तड़काएं। पहले से तैयार पेस्ट, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, जीरा पाउडर, काला नमक डालें और 1-2 मिनट के लिए भूनें। अब उबले सफ़ेद मटर (रातभर पानी में भिगोए हुए) डालें। 1 कप पानी मिलाएं और पांच मिनट के लिए पकने दें। परोसने के लिए एक प्लेट में पहले पोहा सजाएं। इस पर तैयार उसल फैलाएं। बारीक कटा प्याज़ व टमाटर सजाएं। रतलामी सेव फैलाएं। चाट मसाला व नींबू का रस ऊपर से डालें और तुरंत खाएं।

बालों की हर समस्याएं रहती दूर

कभी स्टाइल के लिए तो कभी बुढ़ापा छिपाने के लिए बालों को कलर करने का फैशन चलन में है। गोल्डन, रेज, डार्क ब्राउन, पर्पल और कई तरह के रंगों के चॉक भी मिलने लगे हैं, जिन्हें अपनी ड्रेस से मैच कर पार्टी में स्टाइलिश नजर आ सकते हैं। फैशन में चार चांद लगाने वाले इन कलर्स के जितने फायदे हैं, उतने ही नुकसान भी। बहुत ज्यादा इस्तेमाल करने पर बालों की ग्रोथ के साथ ही उनकी क्वालिटी पर भी फर्क पड़ता है। बालों के गिरने और रूसी की समस्या के लिए हम मौसम और खान-पान को दोषी ठहराते हैं, जबकि इसकी एक वजह कलरिंग भी होती है। कई तरह के नुकसानों से बचाने के लिए बालों की नेचुरल कलरिंग के कुछ तरीकों बारे में जानेंगे।

मेहंदी : मेहंदी लगाना बालों की कलरिंग करने का ही एक अच्छा और बेहतरीन ऑप्शन है। मेहंदी से न सिर्फबालों की कंडीशनिंग हो जाती है, बल्कि इससे बाल ज्यादा घने, लंबे और मजबूत होते हैं।

नींबू : बालों की कलरिंग के लिए नींबू का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। हालांकि, नींबू का असर कुछ देर से होता है, लेकिन यह बहुत ही कारगर होता है। नींबू नेचुरल ब्लीच माना गया है। यह कई तरह से फायदेमंद होता है। बालों में चमक लाने के साथ ही यह उन्हें मजबूत भी बनाता है। सबसे अच्छी चीज है कि यह बालों को धूप, धूल और प्रदूषण से होने वाले नुकसान से भी बचाता है।

ब्लड चैकअप से बॉडी बनेगी हेल्दी

ब्लड शरीर के लिए सबसे अहम है। यह शरीर में न्यूट्रिएंट्स, इलेक्ट्रोलाइट्स, हार्मोन्स, हीट और ऑक्सीजन कैरी करता है। यह हमारे शरीर के हेल्थ की विंडो की तरह होता है। इसलिए इसका खास ख्याल रखना बहुत ही जरूरी है, ताकि हेल्दी लाइफस्टाइल फॉलो किया जा सके।

ब्लड प्रेशर

सामान्य रेंज: एक सामान्य व्यक्ति का डायस्टॉलिक प्रेशर 60/90 के बीच होना चाहिए और सिस्टॉलिक प्रेशर 90/110 के बीच होना चाहिए। इसे हमेशा मेंटेन करें।

क्यों जरूरी है

ज्यादा ब्लड प्रेशर आर्टरीज और वेन्स को डैमेज कर देता है। यही नहीं, यह किडनी जैसे ब्लड प्रोसेसिंग ऑर्गन्स के लिए भी खतरनाक है। हाई सिस्टॉलिक ब्लड प्रेशर हाइपरटेंशन में भी बदल सकता है, जो हेल्थ के लिए बहुत ही खतरनाक होता है।

क्या करें

साल में करीब चार बार ब्लड प्रेशर चेक कराएं। इसका रिकॉर्ड मेंटेन करें, जिसमें डेट के साथ रीडिंग भी नोट करें। यदि आपके प्रेशर में 10 प्वाइंट से ज्यादा वेरिएशन लगातार आता है तो डॉक्टर से जरूर संपर्क करें।

हार्ट रेट

सामान्य रेंज: एक सामान्य व्यक्ति की हार्टबीट 60 से 90 प्रति मिनट (बीपीएम) होनी चाहिए। अगर आप एथलीट हैं तो यह थोड़ी कम भी हो सकती है।

क्यों जरूरी है

इसमें बहुत ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं होना चाहिए। अमेरिकन हार्ट जर्नल में छपी एक स्टडी के मुताबिक, जिनकी रेस्टिंग हार्टरेट में 15 बीपीएम की बढ़ोत्तरी होती है, उन्हें हार्ट की बीमारी होने का खतरा 24 फीसदी बढ़ जाता है।

क्या करें

सुबह उठने के बाद अपनी पल्स की रीडिंग लें। इसे कई महीनों तक अच्छे से मॉनिटर करें। रोजाना एक्सरसाइज करके अपनी रेस्टिंग पल्स को मेंटेन किया जा सकता है।

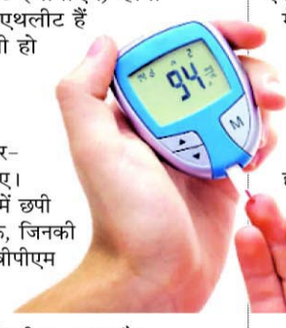

ब्लड शुगर

सामान्य रेंज: फास्टिंग ब्लड शुगर 100 एमजी/डीएल से कम होना चाहिए। इसका मेंटेन रहना बेहद जरूरी है।

क्यों जरूरी है

आपके ब्लड शुगर लेवल से ही पता चलता है कि आपको डायबिटीज है या नहीं। यह कई बार बेहद गंभीर स्थिति में होता है और मरीजों को इसका पता भी नहीं होता, जो बाद में बाकी ऑर्गन्स की डैमेजिंग के लिए जिम्मेदार होता है।

क्या करें

कुछ महीने पर अपना ब्लड शुगर टेस्ट करवाते रहें। यदि 110 से कम फास्टिंग शुगर आ रही है तो बेहतर है, लेकिन यदि इससे ज्यादा आ रही है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। प्रीडायबिटिक कंडीशन में भी डॉक्टर से सलाह कर आप अपनी सेहत में काफी सुधार कर सकते हैं।

कोलेस्ट्रॉल

सामान्य रेंज: एलडीएल 100 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर से कम होना चाहिए और एचडीएल 40 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर से ज्यादा होना चाहिए। नॉन एचडीएल 130 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर से कम होना चाहिए।

क्यों जरूरी है

अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के जर्नल में छपी एक स्टडी के मुताबिक, नॉन एचडीएल कोलेस्ट्रॉल में हर 43 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर की बढ़ोत्तरी दिल की बीमारियों का खतरा 50 फीसदी तक बढ़ा देती है।

क्या करें

कोलेस्ट्रॉल लेवल को लेकर जागरूक हैं तो साल में एक बार अपना लिपिड टेस्ट जरूर कराएं। अपनी डाइट में तेल और फैट से भरपूर खाना लेना कम करें। इनके स्थान पर हरी सब्जियों और फलों को प्राथमिकता दें।

जब कान में जाए तो करें ये...

भाप लें : कानों में पानी जाने पर सबसे पहले उसकी ऑडिटरी ट्यूब बंद हो जाती है, जिससे सुनने की क्षमता पर असर पड़ता है। इस ट्यूब को खोलने के लिए स्टीम लेना बहुत ही कारगर तरीका है।

उपाय : बाउल में पानी गर्म करें। बाउल के ऊपर सिर को इस प्रकार रखें कि भाप चेहरे और कानों तक पहुंचे। सिर को टावल से ढंक लें जिससे भाप बाहर न निकले। 10-15 मिनट तक अच्छे से स्टीम लें। स्टीम से कानों के अंदर का पानी सूख जाता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**